# प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण का द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् के पाठ्यक्रम पर आधारित

झारखण्ड अधिविद्य परिषद्, राँची

झारखण्ड अधिविद्य परिषद्, राँची - 834002

मार्च-2007

प्रकाशक
झारखण्ड अधिविद्य परिषद्, राँची

मुद्रक
सुमुद्रण, राँची

# अनुक्रमणिका


| क्र. सं. | विषय | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 1 | भूमिका | 5 |
| 2 | मार्गदर्शन | 8 |
| 3 | सत्र संबंधी सामान्य निर्देश | 9 |
| 4 | पाठ्यक्रम संरचना (प्रथम वर्ष के लिए) | 10 |
| 5 | पाठ्यक्रम संरचना (द्वितीय वर्ष के लिए) | 11 |
| 6 | विषयवार साप्ताहिक घंटी वितरण (प्रथम वर्ष) | 12 |
| 7 | विषयवार साप्ताहिक घंटी वितरण (द्वितीय वर्ष) | 13 |
| 8 | वार्षिक परीक्षा के लिए अंकों का विभाजन (प्रथम वर्ष) | 14 |
| 9 | वार्षिक परीक्षा के लिए अंकों का विभाजन (द्वितीय वर्ष) | 15 |


## प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम


| क्र. सं. | पत्र | विषय | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| 10 | फाउन्डेशन कोर्स – प्रथम पत्र | नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा एवं शिक्षक | 18 |
| 11 | फाउन्डेशन कोर्स – द्वितीय पत्र | शिक्षा मनोविज्ञान | 20 |
| 12 | पंचम पत्र | हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 22 |
| 13 | षष्ठम पत्र | अंग्रेजी शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 24 |
| 14 | सप्तम पत्र | संस्कृत शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 26 |
| 15 | सप्तम पत्र ( क ) | बंगला शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 28 |
| 16 | सप्तम पत्र ( ख ) | उर्दू शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 29 |
| 17 | सप्तम पत्र ( ग ) | मुण्डारी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 30 |
| 18 | सप्तम पत्र ( घ ) | संताली भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 32 |
| 19 | सप्तम पत्र ( ङ ) | हो भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 34 |
| 20 | सप्तम पत्र ( च ) | खड़िया भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 36 |
| 21 | सप्तम पत्र ( छ ) | कुड़ुख भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 38 |
| 22 | सप्तम पत्र ( ज ) | नागपुरी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 40 |
| 23 | सप्तम पत्र ( झ ) | कुड़माली भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 42 |
| 24 | सप्तम पत्र ( ञ ) | खोरठा भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 44 |
| 25 | सप्तम पत्र ( ट ) | पंचपरगनिया भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 46 |
| 26 | अष्टम पत्र | गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 48 |
| 27 | नवम पत्र | पर्यावरण अध्ययन 1 सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 50 |
| 28 | दशम पत्र | पर्यावरण अध्ययन 2 सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 51 |
| 29 | एकादश पत्र | शिक्षण–अभ्यास : प्रथम एवं द्वितीय वर्ष | 52 |
| 30 | द्वादश पत्र | कम्प्यूटर – प्रथम वर्ष | 53 |
| 31 | त्रयोदश पत्र | कार्यानुभव एवं शारीरिक शिक्षा – प्रथम वर्ष | 54 |
| 32 | चतुर्दश पत्र | सामुदायिक जीवन – प्रथम एवं द्वितीय वर्ष | 56 |

# द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम


| | | | |
|---|---|---|---|
| 33 | फाउन्डेशन कोर्स | – तृतीय पत्र : विद्यालय संगठन, निर्देशन एवं परामर्श | 58 |
| 34 | फाउन्डेशन कोर्स | – चतुर्थ पत्र : शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं मूल्यांकन | 60 |
| 35 | पंचम पत्र | हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 62 |
| 36 | षष्ठम पत्र | अंग्रेजी शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 64 |
| 37 | सप्तम पत्र | संस्कृत शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 66 |
| 38 | सप्तम पत्र ( क ) | बंगला शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 68 |
| 39 | सप्तम पत्र ( ख ) | उर्दू शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 69 |
| 40 | सप्तम पत्र ( ग ) | मुण्डारी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 70 |
| 41 | सप्तम पत्र ( घ ) | संताली भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 72 |
| 42 | सप्तम पत्र ( ङ ) | हो भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 74 |
| 43 | सप्तम पत्र ( च ) | खड़िया भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 76 |
| 44 | सप्तम पत्र ( छ ) | कुडुख भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 78 |
| 45 | सप्तम पत्र ( ज ) | नागपुरी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 80 |
| 46 | सप्तम पत्र ( झ ) | कुड़माली भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 82 |
| 47 | सप्तम पत्र ( ञ ) | खोरठा भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 84 |
| 48 | सप्तम पत्र ( ट ) | पंचपरगनिया भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 86 |
| 49 | अष्टम पत्र | गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 88 |
| 50 | नवम पत्र | पर्यावरण अध्ययन 1 सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 90 |
| 51 | दशम पत्र | पर्यावरण अध्ययन 2 सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 91 |
| 52 | द्वादश पत्र | कंम्प्यूटर | 93 |
| 53 | त्रयोदश पत्र | कार्यानुभव एवं शारीरिक शिक्षा | 94 |

# भूमिका

झारखंड राज्य के गठन के साथ ही शिक्षा के उत्तरोत्तर विकास पर जोर डाला जा रहा है। विशेषकर प्राथमिक शिक्षा को सुदृढ़ करने के उपाय किये जा रहे हैं। प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता के उदात्तीकरण हेतु प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण को अत्याधुनिक एवं प्रभावकारी बनाना अत्यंत आवश्यक है। पूरे देश में शिक्षक प्रशिक्षण को राष्ट्रीय मानक स्तर पर लाने हेतु सन् 1993 ई. में संसद में एक्ट पास कराके कानून बनाते हुए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE) की स्थापना की गयी। इस कानून ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् को संपूर्ण देश के लिए नियम बनाने, प्रशिक्षण के राष्ट्रीय स्तर कायम करने हेतु मार्गदर्शन करने, प्रशिक्षण महाविद्यालयों को मान्यता देने एवं शिक्षक प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम अहर्ता निर्धारित करने का अधिकार दिया है। इसके आलोक में वर्त्तमान राष्ट्रीय आवश्यकता, भावी चुनौती समाज में मानवीय एवं नैतिक मूल्यों की स्थापना, पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता, विभिन्न कौशलों का विकास, चिंतन की नई अवधारणा का विकास, राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना का विकास, बहुआयामी व्यक्तित्व का विकास आदि को झारखण्ड राज्य के पाठ्यक्रम में महत्त्व दिया गया है।

नवीन पाठ्यक्रम द्वारा शिक्षक में नवीन चेतना, सबल कौशलपूर्ण व्यक्तित्व, अपेक्षित व्यवहार कुशलता, पर्याप्त कार्यक्षमता आदि विकसित करने का प्रयास किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवीन प्रयोगों को उपयोग में लाने, शिक्षा को जीवनोपयोगी बनाने, नवीन तकनीक को अपनाने एवं शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने का प्रयास इस पाठ्यक्रम द्वारा किया जा रहा है। शिक्षण में व्यावहारिक पक्ष पर बल देने, शिक्षार्थियों की समस्याओं के निदान के प्रति संवेदनशील होने, सामाजिक, आर्थिक एवं तकनीकी परिवर्तन के साथ शिक्षा की दशा एवं दिशा परिवर्तन की प्रवृत्ति विकसित करने में यह पाठ्यक्रम उपयोगी सिद्ध होगा।

## पाठ्यक्रम की विशेषताएँ :

द्विवर्षीय प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं –

1. यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE) फ्रेमवर्क को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।
2. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम को चार सेमेस्टर में विभक्त कर शैक्षिक सत्र चलाया जाएगा। प्रथम वर्ष में दो सेमेस्टर और द्वितीय वर्ष में दो सेमेस्टर होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर की समाप्ति के साथ मूल्यांकन होगा जिसका अभिलेख रखा जाएगा।
3. आन्तरिक एवं बाह्य मूल्यांकन/परीक्षा को व्यावहारिक उपयोगिता के मानक स्तर पर लाने हेतु प्रयास किया जा रहा है।
4. व्यावहारिक एवं सुलभ बनाने के लिए पाठ्यक्रम को चार भागों में विभाजित किया गया है –
   - (i) फाउंडेशन कोर्स
   - (ii) विषयवस्तु सह शिक्षण विधि
   - (iii) शैक्षणिक क्रियाकलाप
   - (iv) शिक्षण अभ्यास, कार्यानुभव एवं उपयोगी व्यावहारिक कार्य
5. प्रथम वर्ष फाउन्डेशन कोर्स में नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा एवं शिक्षक तथा शिक्षा मनोविज्ञान को रखा गया है। द्वितीय वर्ष फाउन्डेशन कोर्स में विद्यालय संगठन, निर्देशन एवं परामर्श तथा शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं मूल्यांकन को रखा गया है।
6. शिक्षा के भूमण्डलीकरण को ध्यान में रखते हुए अंग्रेजी विषयवस्तु सह शिक्षण विधि को अनिवार्य विषय के रूप में रखा गया है। अंग्रेजी शिक्षण विधि को सरल, रोचक एवं वैज्ञानिक तरीके से सजाया गया है।

7. हिन्दी के साथ-साथ मातृभाषा – बंगला एवं उर्दू, जनजातीय भाषा – मुण्डारी, संथाली, हो, खड़िया, कुडुख, क्षेत्रीय भाषा – नागपुरी, कुड़माली, खोरठा, पंचपरगनिया के शिक्षण को पाठ्यक्रम में महत्त्वपूर्ण स्थान दिया गया है।
8. वर्त्तमान समय में कम्प्यूटर शिक्षा वर्त्तमान शिक्षा प्रणाली का अनिवार्य अंग बन गया है। इसलिए विशेष अनुभव के साथ कम्प्यूटर शिक्षा को अनिवार्य शिक्षा के रूप में पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है।
9. कार्यानुभव के अन्तर्गत कृषि, बागवानी, कटाई-सिलाई, गृह विज्ञान, कोलार्ज कार्य को शामिल कर जीवनोपयोगी बनाया गया है।
10. सामुदायिक जीवन के माध्यम से समुदाय एवं विद्यालय के संबंध को सुदृढ़, सम्पूरक एवं व्यावहारिक बनाने का उपाय किया गया है।
11. प्रशिक्षणार्थी में शिक्षण कौशल को सुदृढ़ करने के लिए सूक्ष्म शिक्षण, आदर्श पाठ, समालोचना पाठ एवं अभ्यास शिक्षण को पर्याप्त स्थान देकर शिक्षण कला को प्रतिस्थापित करने का उपाय किया गया है।
12. इस पाठ्यक्रम के द्वारा कला एवं संस्कृति का विकास, राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समभाव के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करने का प्रयास किया गया है।

इस पाठ्यक्रम सृजन के लिए झारखण्ड अधिविद्य परिषद् ने देश के विभिन्न राज्यों से संपर्क कर उनसे सहयोग प्राप्त किया तथा विभिन्न शिक्षाविदों के कर्मठ परिश्रम से प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम का यह प्रारूप तैयार हो सका। परिषद् आशान्वित है कि प्रशिक्षण महाविद्यालयों में सभी शिक्षक-प्रशिक्षक अपनी विद्वता एवं अनुभव से प्रभावपूर्ण तरीके से इसका क्रियान्वयन करके प्रशिक्षणार्थियों को लाभान्वित करायेंगे।

अंत में निम्नांकित शिक्षाविदों के प्रति विशेष आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया –

1. श्रीमती शिखा रानी सेन, प्राचार्या, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण, रातू, राँची।
2. श्रीमती ग्रेस आईन्द, प्राचार्या, बेथेसदा प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, राँची।
3. सिस्टर वंदना, प्राचार्या, उर्सुलाइन प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, लोहरदगा।
4. श्रीमती एस. डुकुरिया, प्राचार्या, एस.पी.जी. मिशन प्राथमिक शिक्षक शिक्षण महाविद्यालय, राँची।
5. फा. जेवियर तिग्गा एस. जे., प्राचार्य, प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, गुरूवा, सीतागढ़, हजारीबाग।
6. सुश्री तनुशिखा आर्य, कोऑर्डिनेटर, इग्नू, अशोकनगर, राँची।
7. सुश्री संध्या प्रेशीला एक्का, सेवानिवृत प्रभारी प्राचार्या, प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रातू, राँची।
8. श्री श्रीमोहन सिंह, व्याख्याता, प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रातू, राँची।
9. मो. मोबिन, सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य, जिला स्कूल, राँची।
10. श्री राधेश्याम नरसुंदर, प्रधानाध्यापक, एल.ई.बी.बी. उच्च विद्यालय, राँची।
11. मो. खलील आलम, प्रधानाध्यापक, रामलखन सिंह यादव उच्च विद्यालय, कोकर, राँची।
12. श्रीमती चौठी उराँव, व्याख्याता, संजय गाँधी मेमोरियल महाविद्यालय पण्डरा, राँची।
13. सुश्री सरस्वती गागराई व्याख्याता, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची।
14. डॉ. मनसिद्ध बड़ायउद, प्राध्यापक, गोस्सनर कॉलेज, राँची।
15. श्री बिनोद कुमार, प्राध्यापक, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची कॉलेज, राँची।
16. डॉ. सुधीर कुमार राय, व्याख्याता, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची।
17. शशिभूषण महतो, प्राध्यापक, गोस्सनर कॉलेज, राँची।

18. डॉ. वृन्दावन महतो, प्राध्यापक, मारवाड़ी कॉलेज, राँची।
19. डॉ. शान्ति खलखो, व्याख्याता, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची।
20. प्रो. दीनबंधु महतो, प्राध्यापक, सिल्ली कॉलेज, सिल्ली।
21. श्रीमती मेरी एस. सोरेंग, प्राध्यापक, राँची महिला महाविद्यालय, राँची।
22. डॉ. के. सी. टुडू, प्राध्यापक, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची।

मैं समिति के उन सभी सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिनके कुशल नेतृत्व, वैज्ञानिक अभिरूचि, अनवरत प्रयास एवं पारदर्शी चिन्तन के द्वारा यह उपयोगी पाठ्यक्रम तैयार हो सका है।

धन्यवाद!

(डा. शालिग्राम यादव)
*अध्यक्ष,*
झारखण्ड अधिविद्य परिषद्, राँची।

# दो वर्षीय प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण के लिए मार्गदर्शन

1. प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र का प्रारंभ जुलाई से होगा और समाप्ति अगले मई माह में होगी। जून माह में ग्रीष्मावकाश होगा।
2. प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को अंतिम परीक्षा हेतु उत्प्रेषित होने के लिए सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक विषय के आन्तरिक मूल्यांकन में उत्तीर्ण होना तथा 75 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज होना अनिवार्य है।
3. प्रशिक्षणार्थी के लिए सभी शिक्षण–अभ्यास में सम्मिलित होना अनिवार्य है अन्यथा परीक्षा देने के लिए उन्हें उत्प्रेषित नहीं किया जाएगा।
4. महाविद्यालय/संस्थान के क्रियाकलाप एवं विषयगत सभी क्रियाकलापों में प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को अनिवार्य रूप से भाग लेना है।
5. समय की पाबंदी एवं अनुशासन का पालन प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के लिए अनिवार्य है।
6. वर्ग से अनुपस्थित होने पर प्रत्येक प्रशिक्षणार्थियों से पाँच रुपये प्रतिदिन की दर से अनुपस्थिति दण्ड वसूला जाएगा।
7. महाविद्यालय/संस्थान से अनुपस्थित होने के पूर्व प्रशिक्षणार्थी को अपने प्राचार्य/प्राचार्या को इसकी लिखित सूचना देना अनिवार्य होगा अन्यथा उचित कार्रवाई की जाएगी।
8. प्रशिक्षणार्थी द्वारा धूम्रपान, तम्बाकू सेवन, किसी प्रकार के नशा का सेवन एवं दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता माना जाएगा और इसके लिए उन पर कार्रवाई की जा सकती है।
9. प्रशिक्षणार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वे आत्मसम्मान, दूसरों के प्रति सम्मान एवं स्व:अनुशासन विकसित करेंगे।
10. प्रशिक्षणार्थी से आशा की जाती है कि वे महाविद्यालय/संस्थान को शिक्षा का स्वस्थ केन्द्र बनाये रखने में तथा संस्था के विकास में सहयोग करते रहेंगे।
11. सभी प्रशिक्षणार्थियों से उम्मीद की जाती है कि वे आपस में भाईचारा, शांति–सद्भाव एवं सहयोग की भावना विकसित करके उत्तम शैक्षणिक माहौल तैयार करेंगे।

## सत्र संबंधी सामान्य निर्देश

- प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण सत्रावधि दो वर्षों की होगी।
- प्रतिवर्ष कुल कार्य दिवस 230 दिनों का होगा जिसका विवरण निम्नवत् है –

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रतिवर्ष कुल कार्य दिवस | 230 | दिन |
| 2. | शिक्षण अवधि | 150 | दिन |
| 3. | शिक्षण अभ्यास | 30 | दिन |
| 4. | प्रदर्शन पाठ<br>समालोचना पाठ<br>सूक्ष्म शिक्षण | 20 | दिन |
| 5. | परीक्षा अवधि | 20 | दिन |
| 6. | नामांकन अवधि | 10 | दिन |
| | कुल कार्यावधि | 230 | दिन |

- दो वर्षों के प्रशिक्षण सत्र में 4 सेमेस्टर होंगे।
- प्रत्येक सेमेस्टर की अवधि 6 माह की होगी।
- प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में परीक्षा का आयोजन किया जायगा।
- सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक विषयों का आंतरिक मूल्यांकन सेमेस्टर के अनुसार होगा।

## अभिलेख संबंधी सामान्य निर्देश :

- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को नियमित रूप से दैनिक दैनन्दिनी (Diary) लिखना आवश्यक है।
- कार्यानुभव एवं शारीरिक शिक्षा की अलग-अलग संक्षिप्त अभिलेख पुस्तिका (Diary), प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को तैयार करना है।
- सामुदायिक जीवन के लिए प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को अलग अभिलेख पुस्तिका (Diary) तैयार करना है।
- उपर्युक्त सभी अभिलेखों का आंतरिक मूल्यांकन होगा।
- कम्प्यूटर से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक क्रियाशीलनों की संक्षिप्त डायरी प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी तैयार करेंगे जिसका आंतरिक मूल्यांकन में महत्त्वपूर्ण योगदान होगा।
- महाविद्यालय/संस्थान में प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी से संबंधित विभिन्न विषयों के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक आंतिरक मूल्यांकन का अभिलेख सेमेस्टर के अनुसार तैयार करना है।
- प्रथम वर्ष के दो सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन का औसत एवं द्वितीय वर्ष के दो सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन का औसत तैयार कर आंतरिक मूल्यांकन का संधारण मूल्यांकन पंजी में किया जाएगा जिन्हें बाह्य मूल्यांकन समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

# पाठ्यक्रम संरचना

## प्रथम वर्ष

(i) फाउन्डेशन कोर्स :

1. फाउन्डेशन पत्र प्रथम – नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा एवं शिक्षक
2. फाउन्डेशन पत्र द्वितीय – शिक्षा मनोविज्ञान

(ii) विषयवस्तु सह शिक्षण विधि :

3. पंचम पत्र – हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि
4. षष्ठम पत्र – अंग्रेजी शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि
5. सप्तम पत्र – संस्कृत/बंगला/उर्दू/ मुंडारी/संताली/हो/खड़िया/कुडुख/नागपुरी /कुड़माली/खोरठा /पंचपरगनिया
6. अष्टम पत्र – गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि
7. नवम पत्र – पर्यावरण अध्ययन 1 — सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि
8. दशम पत्र – पर्यावरण अध्ययन 2 — सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

(iii) व्यावहारिक :

9. एकादश पत्र – शिक्षण अभ्यास
10. द्वादश पत्र – कम्प्यूटर
11. त्रयोदश पत्र – कार्यानुभव एवं शारीरिक शिक्षा
12. चतुर्दश पत्र – सामुदायिक जीवन

# द्वितीय वर्ष

(i) फाउन्डेशन कोर्स :

1. फाउन्डेशन पत्र तृतीय – विद्यालय संगठन, निर्देशन एवं परामर्श
2. फाउन्डेशन पत्र चतुर्थ – शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं मूल्यांकन।

(ii) विषयवस्तु सह शिक्षण विधि :

3. पंचम पत्र – हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि
4. षष्ठम पत्र – अंग्रेजी शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि
5. सप्तम पत्र – संस्कृत/बंगला/उर्दू/ मुंडारी/संताली/हो/खड़िया/कुडुख/नागपुरी/कुड़माली /खोरठा /पंचपरगनिया शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि
6. अष्टम पत्र – गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि
7. नवम पत्र – पर्यावरण अध्ययन 1 — सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि
8. दशम पत्र – पर्यावरण अध्ययन 2 — सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

(iii) व्यावहारिक :

9. एकादश पत्र – शिक्षण अभ्यास
10. द्वादश पत्र – कम्प्यूटर
11. त्रयोदश पत्र – कार्यानुभव एवं शारीरिक शिक्षा
12. चतुर्दश पत्र – सामुदायिक जीवन

# सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक वर्ग के लिए प्रति सप्ताह घंटी वितरण

**कार्यावधि – सोमवार से शनिवार तक कुल घंटी – 5 × 7 + 1 × 4 = 39**

## विषयवार घंटी विभाजन

### प्रथम वर्ष

| क्रम सं. | पत्र | विषय | आवंटित घंटी |
|---|---|---|---|
| 1. | फाउन्डेशन पत्र प्रथम | नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा एवं शिक्षक – | 03 |
| 2. | फाउन्डेशन पत्र द्वितीय | शिक्षा मनोविज्ञान – | 03 |
| 3. | पंचम | हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 03 |
| 4. | षष्ठम | अंग्रेजी शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 03 |
| 5. | सप्तम | संस्कृत/बंगला/उर्दू/मुंडारी/संताली/हो/खड़िया / कुड़ुख/नागपुरी/कुड़माली/खोरठा/पंचपरगनिया शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 03 |
| 6. | अष्टम | गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 03 |
| 7. | नवम | पर्यावरण अध्ययन 1 — सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 03 |
| 8. | दशम | पर्यावरण अध्ययन 2 — सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 03 |
| 9. | द्वादश | कम्प्यूटर | 04 |
| 10. | त्रयोदश | कार्यानुभव (2 विषय) एवं शारीरिक शिक्षा | 04+02 |
| 11. | चतुर्दश | सामुदायिक जीवन | 03 |
| 12. | सांस्कृतिक कार्यक्रम | | 02 |
| | | कुल घंटी – | 39 |

नोट – *अभ्यास शिक्षण के लिए अलग से दिवस का प्रावधान है।*

## द्वितीय वर्ष

| क्र.सं. | पत्र | विषय | आवंटित घंटी |
|---|---|---|---|
| 1. | फाउन्डेशन पत्र तृतीय | विद्यालय संगठन, निर्देशन एवं परामर्श | 03 |
| 2. | फाउन्डेशन पत्र चतुर्थ | शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं मूल्यांकन | 03 |
| 3. | पंचम | हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 03 |
| 4. | षष्ठम | अंग्रेजी शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 03 |
| 5. | सप्तम | संस्कृत/बंगला/उर्दू/मुंडारी/संताली/हो/खड़िया / कुडुख/नागपुरी/कुड़माली/खोरठा/पंचपरगनिया शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 03 |
| 6. | अष्टम | गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 03 |
| 7. | नवम | पर्यावरण अध्ययन 1 — सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 03 |
| 8. | दशम | पर्यावरण अध्ययन 2 — सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 03 |
| 9. | द्वादश | कम्प्यूटर | 03 |
| 10. | त्रयोदश | कार्यानुभव (2 विषय) एवं शारीरिक शिक्षा | 04+02 |
| 11. | चतुर्दश | सामुदायिक जीवन | 03 |
| 12. | सांस्कृतिक कार्यक्रम | | 02 |
| | | कुल घंटी – | 39 |

**नोट –** *अभ्यास शिक्षण के लिए अलग से दिवस का प्रावधान है।*

# वार्षिक परीक्षा के लिए अंकों का विभाजन

## प्रथम वर्ष

| क्र.स. | पत्र | विषय का नाम | बाह्य मूल्यांकन | | आंतरिक मूल्यांकन | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | पूर्णांक | उत्तीर्णांक | पूर्णांक | उत्तीर्णांक |
| 1 | फाउन्डेशन पत्र प्रथम | नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा और शिक्षक | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 2 | फाउन्डेशन पत्र द्वितीय | शिक्षा मनोविज्ञान | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 3 | पंचम पत्र | हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 4 | षष्ठम पत्र | अंग्रेजी शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 5 | सप्तम पत्र | संस्कृत/बंगला/उर्दू/मुंडारी/संताली/हो/खड़िया/ कुडुख/नागपुरी/कुड़माली/खोरठा/पंचपरगनिया शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 6 | अष्टम पत्र | गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 7 | नवम पत्र | पर्यावरण अध्ययन 1 — सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 8 | दशम पत्र | पर्यावरण अध्ययन 2 — सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 9 | एकादश पत्र | शिक्षण अभ्यास | 40 | 16 | 60 | 24 |
| 10 | द्वादश पत्र | कम्प्यूटर | – | – | 100 | 40 |
| 11 | त्रयोदश पत्र | कार्यानुभव – 2 विषय, शारीरिक शिक्षा | $15 \times 2 = 30 + 20 = 50$ | 20 | $15 \times 2 = 30 + 20 = 50$ | 20 |
| 12 | चतुर्दश पत्र | सामुदायिक जीवन | – | – | 100 | 40 |

# वार्षिक परीक्षा के लिए अंकों का विभाजन

## द्वितीय वर्ष

| क्र.स. | पत्र | विषय का नाम | बाह्य मूल्यांकन | | आंतरिक मूल्यांकन | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | पूर्णांक | उत्तीर्णांक | पूर्णांक | उत्तीर्णांक |
| 1 | फाउन्डेशन पत्र तृतीय | विद्यालय संगठन, निर्देशन एव परामर्श | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 2 | फाउन्डेशन पत्र चतुर्थ | शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं मूल्यांकन | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 3 | पंचम पत्र | हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 4 | षष्ठम पत्र | अंग्रेजी शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 5 | सप्तम पत्र | संस्कृत/बंगला/उर्दू/मुंडारी/संताली/हो/खड़िया/कुड़ुख /नागपुरी/कुड़माली/खोरठा/पंचपरगनिया शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 6 | अष्टम पत्र | गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 7 | नवम पत्र | पर्यावरण अध्ययन 1 — सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 8 | दशम पत्र | पर्यावरण अध्ययन 2 — सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि | 60 | 24 | 40 | 16 |
| 9 | एकादश पत्र | शिक्षण अभ्यास | 40 | 16 | 60 | 24 |
| 10 | द्वादश पत्र | कम्प्यूटर | – | – | 100 | 40 |
| 11 | त्रयोदश पत्र | कार्यानुभव – 2 विषय, शारीरिक शिक्षा | $15 \times 2 = 30$ $+ 20 = 50$ | 20 | $15 \times 2 = 30$ $+ 20 = 50$ | 20 |
| 12 | चतुर्दश पत्र | सामुदायिक जीवन | – | – | 100 | 40 |

## प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण
## का द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

# प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

## झारखण्ड अधिविद्य परिषद्, राँची

*प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम*

# फाउन्डेशन कोर्स : फाउन्डेशन पत्र : प्रथम

# नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा एवं शिक्षक

### इकाई 1 : शिक्षा तथा इसके उद्देश्य :

- शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, शिक्षा के कार्य
- शिक्षा का स्वरूप
- औपचारिक, अनौपचारिक, न-औपचारिक शिक्षा
- व्यक्ति एवं समाज के विकास में शिक्षा की भूमिका
- सामाजिक एवं आर्थिक विकास में शिक्षा की भूमिका

### इकाई 2 : शिक्षण शैली की नई अवधारणा :

- परिचय एवं विशेषताएँ
- परम्परागत एवं क्रियाशीलन आधारित शिक्षण की तुलना
- क्रियाशीलनों के प्रकार एवं उनका परिचय

### इकाई 3 : शिक्षा की विभिन्न अवधारणाएँ :

- जॉन डिवी, फ्रोबेल, पेस्टालॉजी, रूसो, मारिया मॉन्टेसरी
- परिचय एवं विशेषताएँ
- प्रकृतिवाद, आदर्शवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद
- भारतीय एवं पाश्चात्य शिक्षण की मुख्य विचारधाराएँ
- बुनियादी शिक्षा (गाँधीवाद)
- सौन्दर्य विषयक शिक्षा (रवीन्द्रनाथ टैगोर)

### इकाई 4 : शिक्षा में आधुनिक विचारधारा :

- शिक्षा एवं आधुनिकीकरण
- शिक्षा एवं राष्ट्रीय एकता
- अन्तर्राष्ट्रीय अवबोध के लिए शिक्षा
- पर्यावरण शिक्षा
- मानवाधिकार
- जनसंख्या शिक्षा
- मूल्याधारित शिक्षा

## इकाई 5 : शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति :

- भारतीय संविधान में शिक्षा संबंधी नीति
- समाजवाद, प्रजातंत्र एवं धर्मनिरपेक्षता के राष्ट्रीय लक्ष्य के परिप्रेक्ष्य में प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्य
- प्राथमिक शिक्षा का सार्वजनीकरण
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति का परिचय
- 1986, 1992 एवं विद्यालय शिक्षा के नये पाठ्यक्रम का ढाँचा 2006 के मुख्य बिंदु

## इकाई 6 : झारखण्ड में प्राथमिक शिक्षा :

- झारखण्ड में शिक्षा एवं साक्षरता की स्थिति
- प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण में उत्पन्न समस्याएँ एवं सरकार तथा अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा किए गए प्रयास एवं सुझाव
- शिक्षक प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के तरीके, सरकार द्वारा किए गए प्रयास एवं सुझाव

## क्रियाकलाप :

- महत्त्वपूर्ण प्रश्नों को समूह चर्चा के लिए उपलब्ध कराना, समूह का रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- विशिष्ट बालकों के दो समूहों के बीच प्रतियोगिता आयोजित कर उनकी स्मरण शक्ति, वाक्पटुता एवं बुद्धि का परीक्षण करते हुए विवरणी तैयार करना।
- (क) शिक्षा का स्वरूप

  (ख) प्रकृतिवाद, आदर्शवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद पर आधारित क्विज एवं वाद-विवाद का आयोजन करना।
- निम्नलिखित विषयों पर निबंध अथवा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करना –
  - (i) राष्ट्रीय एकता
  - (ii) पर्यावरण शिक्षा
  - (iii) मानवाधिकार
  - (iv) जनसंख्या शिक्षा
- स्थानीय दो अनौपचारिक/ न औपचारिक शिक्षा केन्द्र जाकर उनके क्रियाकलाप से संबंधित जानकारी प्राप्त करना और उनका प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।

## प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

# फाउन्डेशन कोर्स : द्वितीय पत्र :

# शिक्षा मनोविज्ञान

### इकाई 1 : शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र :

- शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ एवं प्रकृति (स्वरूप)
- शिक्षा मनोविज्ञान का क्षेत्र
- प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए शिक्षा मनोविज्ञान का महत्त्व

### इकाई 2 : बाल व्यवहार का अध्ययन :

- व्यवहार के सिद्धांत
- व्यवहार के निर्धारक तत्त्व
- बालकों के व्यवहार के अध्ययन की विधियाँ – अवलोकन, पूछताछ/साक्षात्कार, जीवन–इतिहास विधि।

### इकाई 3 : बालक की वृद्धि एवं विकास :

- वृद्धि एवं विकास की अवधारणा
- विकास की मुख्य अवस्थाएँ
- विकास की अवस्थाएँ – बाल्यावस्था से किशोरावस्था तक शारीरिक, बौद्धिक, सांवेगिक एवं भाषा विकास

### इकाई 4 : व्यक्तित्व विकास एवं समायोजन :

- व्यक्तित्व का अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार
- व्यक्तित्व के विकास में वंशानुक्रम, जैविक कारक एवं वातावरण का महत्त्व
- समायोजन का अर्थ, विद्यालय, समुदाय एवं परिवार में समायोजन की महत्त्वपूर्ण तकनीक

### इकाई 5 : व्यक्तिगत, विभिन्नता एवं इसका शैक्षिक प्रभाव :

- व्यक्तिगत विभिन्नता
- क्षमता, अभिरूचि, आदत, अभिवृति, सांवेगिक एवं बौद्धिक उपलब्धि और उनका शैक्षिक प्रभाव

### इकाई 6 : शिक्षा और अधिगम

- अधिगम का अर्थ, परिभाषा एवं सिद्धांत
- अधिगम के विभिन्न तरीके – अवलोकन, अनुकरण, स्मृति, दृष्टिकोण, अनुसंधान, कौशल, सूचना प्रक्रिया
- भूल एवं प्रयत्न सिद्धांत, प्रभाव का सिद्धांत, अंतर्दृष्टि का सिद्धांत

क्रियाकलाप :

- छोटे बच्चों एवं अर्द्ध किशोरों के दो अलग–अलग समूहों के व्यवहार का अध्ययन करते हुए उनकी व्यवहारगत विशेषताओं एवं समस्याओं का वर्णन करना।
- विशिष्ट बालकों के दो समूहों के बीच प्रतियोगिता आयोजित कर उनकी स्मरण शक्ति, वाक्पटुता एवं बुद्धि का परीक्षण करते हुए विवरणी तैयार करना।
- विशिष्ट बालकों का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक परीक्षण करते हुए उन्हें उचित शिक्षा प्रदान करने के लिए सुझाव देना।
- किन्हीं दो समस्यात्मक बालक का जीवन इतिहास (केस स्टडी) तैयार करना।
- बाल्यावस्था के दो एवं किशोरावस्था के तीन बालक/बालिका की विशेषताओं का पता लगाना।
- दो बालक/बालिका की अभिरूचि एवं दो बालक/बालिका की आदतों का पता लगाकर उनका अभिलेख प्रस्तुत करना।

## प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

## पंचम पत्र

# हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

**इकाई 1 : भाषा का अर्थ एवं स्वरूप :**

- भाषा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व
- हिन्दी भाषा के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी
- मानक हिन्दी भाषा के माध्यम से संक्षेपण
- राष्ट्रभाषा हिन्दी एवं उसकी विशेषताएँ
- भाषा और बोली

**इकाई 2 : मातृभाषा का अर्थ एवं परिचय :**

- मातृभाषा का अर्थ, परिभाषा, महत्त्व
- मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा
- मातृभाषा शिक्षण के उद्देश्य
- झारखण्ड की प्रमुख भाषा – मुंडारी, संताली, हो, खड़िया, कुँडुख, नागपुरी, कुरमाली, खोरठा, पंचपरगनिया। इनका सामान्य परिचय।

**इकाई 3 : गद्य-पद्य शिक्षण :**

- गद्य शिक्षण – परिचय, गद्य शिक्षण की विधि – आदर्श वाचन, अनुकरण वाचन, मौन वाचन, कथा कथन, अभिनय विधि, प्रश्नोत्तर विधि, घटना वर्णन, दृश्य वर्णन
- पद्य, शिक्षण – परिचय, पद्य शिक्षण की विधि – सस्वर वाचन, गीत विधि, व्याख्या विधि, अर्थ बोध विधि, भाव बोध, अनुकरण विधि

**इकाई 4 : व्याकरण :**

- ध्वनि के लक्षण एवं भाषायी ध्वनि
- हिन्दी के स्वर, व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण
- शब्द परिचय एवं उसके भेद
- लिंग, वचन, कारक, काल, वाच्य

**इकाई 5 : भाषा शिक्षण विधि :**

- पाठ्यपुस्तक विधि
- प्रश्नोत्तर विधि
- व्याख्या विधि
- खेल विधि
- देखो और कहो
- कहानी विधि

## प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण
## का द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

# प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

## झारखण्ड अधिविद्य परिषद्, राँची

*प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम*

# फाउन्डेशन कोर्स : फाउन्डेशन पत्र : प्रथम

# नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा एवं शिक्षक

**इकाई 1 : शिक्षा तथा इसके उद्देश्य :**

- शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, शिक्षा के कार्य
- शिक्षा का स्वरूप
- औपचारिक, अनौपचारिक, न-औपचारिक शिक्षा
- व्यक्ति एवं समाज के विकास में शिक्षा की भूमिका
- सामाजिक एवं आर्थिक विकास में शिक्षा की भूमिका

**इकाई 2 : शिक्षण शैली की नई अवधारणा :**

- परिचय एवं विशेषताएँ
- परम्परागत एवं क्रियाशीलन आधारित शिक्षण की तुलना
- क्रियाशीलनों के प्रकार एवं उनका परिचय

**इकाई 3 : शिक्षा की विभिन्न अवधारणाएँ :**

- जॉन डिवी, फ्रोबेल, पेस्टालॉजी, रूसो, मारिया मॉन्टेसरी
- परिचय एवं विशेषताएँ
- प्रकृतिवाद, आदर्शवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद
- भारतीय एवं पाश्चात्य शिक्षण की मुख्य विचारधाराएँ
- बुनियादी शिक्षा (गाँधीवाद)
- सौन्दर्य विषयक शिक्षा (रवीन्द्रनाथ टैगोर)

**इकाई 4 : शिक्षा में आधुनिक विचारधारा :**

- शिक्षा एवं आधुनिकीकरण
- शिक्षा एवं राष्ट्रीय एकता
- अन्तर्राष्ट्रीय अवबोध के लिए शिक्षा
- पर्यावरण शिक्षा
- मानवाधिकार
- जनसंख्या शिक्षा
- मूल्याधारित शिक्षा

## इकाई 5 : शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति :

- भारतीय संविधान में शिक्षा संबंधी नीति
- समाजवाद, प्रजातंत्र एवं धर्मनिरपेक्षता के राष्ट्रीय लक्ष्य के परिप्रेक्ष्य में प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्य
- प्राथमिक शिक्षा का सार्वजनीकरण
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति का परिचय
- 1986, 1992 एवं विद्यालय शिक्षा के नये पाठ्यक्रम का ढाँचा 2006 के मुख्य बिंदु

## इकाई 6 : झारखण्ड में प्राथमिक शिक्षा :

- झारखण्ड में शिक्षा एवं साक्षरता की स्थिति
- प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण में उत्पन्न समस्याएँ एवं सरकार तथा अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा किए गए प्रयास एवं सुझाव
- शिक्षक प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के तरीके, सरकार द्वारा किए गए प्रयास एवं सुझाव

## क्रियाकलाप :

- महत्त्वपूर्ण प्रश्नों को समूह चर्चा के लिए उपलब्ध कराना, समूह का रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- विशिष्ट बालकों के दो समूहों के बीच प्रतियोगिता आयोजित कर उनकी स्मरण शक्ति, वाक्पटुता एवं बुद्धि का परीक्षण करते हुए विवरणी तैयार करना।
- (क) शिक्षा का स्वरूप

  (ख) प्रकृतिवाद, आदर्शवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद पर आधारित क्विज एवं वाद-विवाद का आयोजन करना।
- निम्नलिखित विषयों पर निबंध अथवा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करना –
  - (i) राष्ट्रीय एकता
  - (ii) पर्यावरण शिक्षा
  - (iii) मानवाधिकार
  - (iv) जनसंख्या शिक्षा
- स्थानीय दो अनौपचारिक/ न औपचारिक शिक्षा केन्द्र जाकर उनके क्रियाकलाप से संबंधित जानकारी प्राप्त करना और उनका प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।

## प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

# फाउन्डेशन कोर्स : द्वितीय पत्र :

# शिक्षा मनोविज्ञान

### इकाई 1 : शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र :

- शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ एवं प्रकृति (स्वरूप)
- शिक्षा मनोविज्ञान का क्षेत्र
- प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए शिक्षा मनोविज्ञान का महत्त्व

### इकाई 2 : बाल व्यवहार का अध्ययन :

- व्यवहार के सिद्धांत
- व्यवहार के निर्धारक तत्त्व
- बालकों के व्यवहार के अध्ययन की विधियाँ – अवलोकन, पूछताछ/साक्षात्कार, जीवन–इतिहास विधि।

### इकाई 3 : बालक की वृद्धि एवं विकास :

- वृद्धि एवं विकास की अवधारणा
- विकास की मुख्य अवस्थाएँ
- विकास की अवस्थाएँ – बाल्यावस्था से किशोरावस्था तक शारीरिक, बौद्धिक, सांवेगिक एवं भाषा विकास

### इकाई 4 : व्यक्तित्व विकास एवं समायोजन :

- व्यक्तित्व का अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार
- व्यक्तित्व के विकास में वंशानुक्रम, जैविक कारक एवं वातावरण का महत्त्व
- समायोजन का अर्थ, विद्यालय, समुदाय एवं परिवार में समायोजन की महत्त्वपूर्ण तकनीक

### इकाई 5 : व्यक्तिगत, विभिन्नता एवं इसका शैक्षिक प्रभाव :

- व्यक्तिगत विभिन्नता
- क्षमता, अभिरूचि, आदत, अभिवृति, सांवेगिक एवं बौद्धिक उपलब्धि और उनका शैक्षिक प्रभाव

### इकाई 6 : शिक्षा और अधिगम

- अधिगम का अर्थ, परिभाषा एवं सिद्धांत
- अधिगम के विभिन्न तरीके – अवलोकन, अनुकरण, स्मृति, दृष्टिकोण, अनुसंधान, कौशल, सूचना प्रक्रिया
- भूल एवं प्रयत्न सिद्धांत, प्रभाव का सिद्धांत, अंतर्दृष्टि का सिद्धांत

क्रियाकलाप :

- छोटे बच्चों एवं अर्द्ध किशोरों के दो अलग-अलग समूहों के व्यवहार का अध्ययन करते हुए उनकी व्यवहारगत विशेषताओं एवं समस्याओं का वर्णन करना।
- विशिष्ट बालकों के दो समूहों के बीच प्रतियोगिता आयोजित कर उनकी स्मरण शक्ति, वाक्पटुता एवं बुद्धि का परीक्षण करते हुए विवरणी तैयार करना।
- विशिष्ट बालकों का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक परीक्षण करते हुए उन्हें उचित शिक्षा प्रदान करने के लिए सुझाव देना।
- किन्हीं दो समस्यात्मक बालक का जीवन इतिहास (केस स्टडी) तैयार करना।
- बाल्यावस्था के दो एवं किशोरावस्था के तीन बालक/बालिका की विशेषताओं का पता लगाना।
- दो बालक/बालिका की अभिरूचि एवं दो बालक/बालिका की आदतों का पता लगाकर उनका अभिलेख प्रस्तुत करना।

## प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

## पंचम पत्र

# हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : भाषा का अर्थ एवं स्वरूप :

- भाषा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व
- हिन्दी भाषा के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी
- मानक हिन्दी भाषा के माध्यम से संक्षेपण
- राष्ट्रभाषा हिन्दी एवं उसकी विशेषताएँ
- भाषा और बोली

### इकाई 2 : मातृभाषा का अर्थ एवं परिचय :

- मातृभाषा का अर्थ, परिभाषा, महत्त्व
- मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा
- मातृभाषा शिक्षण के उद्देश्य
- झारखण्ड की प्रमुख भाषा – मुंडारी, संताली, हो, खड़िया, कुँड़ुख, नागपुरी, कुरमाली, खोरठा, पंचपरगनिया। इनका सामान्य परिचय।

### इकाई 3 : गद्य-पद्य शिक्षण :

- गद्य शिक्षण – परिचय, गद्य शिक्षण की विधि – आदर्श वाचन, अनुकरण वाचन, मौन वाचन, कथा कथन, अभिनय विधि, प्रश्नोत्तर विधि, घटना वर्णन, दृश्य वर्णन
- पद्य, शिक्षण – परिचय, पद्य शिक्षण की विधि – सस्वर वाचन, गीत विधि, व्याख्या विधि, अर्थ बोध विधि, भाव बोध, अनुकरण विधि

### इकाई 4 : व्याकरण :

- ध्वनि के लक्षण एवं भाषायी ध्वनि
- हिन्दी के स्वर, व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण
- शब्द परिचय एवं उसके भेद
- लिंग, वचन, कारक, काल, वाच्य

### इकाई 5 : भाषा शिक्षण विधि :

- पाठ्यपुस्तक विधि
- प्रश्नोत्तर विधि
- व्याख्या विधि
- खेल विधि
- देखो और कहो
- कहानी विधि

क्रियाकलाप :

- द्रुत वाचन कराना, कविता का सस्वर पाठ करना।
- कहानी एवं कविता लेखन प्रतियोगिता में सहभागिता।
- पत्र लेखन, आवेदनपत्र लेखन, संक्षेपण लेखन में भाग लेना।
- हिन्दी भाषा पर क्षेत्रीय भाषा के प्रभाव डालने वाले शब्द/वाक्य की सूची तैयार करना।
- स्थानीय परिवेश में प्रचलित लोकोक्तियों एवं मुहावरों का संकलन करना।
- सूक्तियों एवं सुभाषितों का लेखन।
- पाठ योजना एवं शिक्षण सामग्री का निर्माण करना।

**नोट – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से कक्षा 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।**

**First Year Syllabus**

## Sixth Paper

# English Teaching : Content Cum Methodology

### Unit 1 : Methodology

(a) Purpose of Learning English in the present context.

(b) Aims of Learning English to devlop language skills

(c) Psychology of language learning.

- (i) Motivation
- (ii) Meaningful Expression
- (iii) Distracting Factor
- (iv) language Habits

### Unit 2 : Method of Teaching English

(a) The Grammar & Translation method

(b) The Direct method

(c) The Structural method

(d) The Electic method

(e) The Situational method

(f) The Communicative method

### Unit 3 : Oral Expression

Narration of stories, events.

Dramatization of stories, events etc.

Poem presentation with proper tunning.

### Unit 4 : Teaching Reading to Beginners

(i) Reading readiness programme

(ii) Method of teaching : recording words and phrase, sentence method, story method

(iii) Reading aloud and silent reading.

### Unit 5 : Common Defects

Physical, emotional defects and their rectification

## Personal Projects :

(1) Preparation of special teaching materials apart from charts.

(2) Listing one's strength and weaknesses regarding knowledge and expression of English language and its remedy.

(3) Listening to students' speech; finding out spelling defects and suggesting remedies.

(4) Doing a project in order to help students to learn English.

(5) Make a chart of similar and dissimilar words according to their pronunciation.

(6) Make a chart to show to one's continual growth in any one or two of the language skills.

(7) Prepare a lesson plan for teaching English.

**Note :** *All trainees will take part in an analytical study of text books of class one to eight.*

## प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

## सप्तम पत्र

# संस्कृत शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य एवं महत्त्व :

- संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य एवं महत्त्व : आधुनिक भारतीय भाषा से तुलना, भारत में संस्कृत शिक्षण की स्थिति, संस्कृत शिक्षण का सांस्कृतिक, साहित्यिक भाषागत एवं व्यावहारिक महत्त्व।

### इकाई 2 : संस्कृत शिक्षण का स्वरूप :

- विद्यालय पाठ्यक्रम में संस्कृत का स्थान एवं महत्त्व, प्रारंभिक काल एवं आधुनिक काल में संस्कृत की स्थिति, इसके स्वरूप एवं स्तर में अंतर, संस्कृत भाषा की संरचना एवं इसके वैशिष्ट्य, संस्कृत और नैतिक शिक्षा।

### इकाई 3 : श्रवण एवं वाचन कुशलता की विधियाँ :

- संस्कृत उच्चारण, श्रवण अभ्यास, मौखिक कार्य, शब्दार्थ का अभ्यास, साधारण शब्दों का मौखिक संयोजन।

### इकाई 4 : संस्कृत लेखन एवं पठन कुशलता की विधियाँ

- वार्तालाप का अभ्यास, संस्कृत लेखन एवं पठन की विभिन्न विधियाँ, इसके गुण एवं दोष, संस्कृत गद्य एवं पद्य का सस्वर पाठ, गद्य एवं पद्य की संरचना में अंतर, संस्कृत के अनुच्छेदों की संगीतात्मकता।
- लेखन कार्य, अनुच्छेद लेखन, शब्दों का विश्लेषण एवं उच्चारण, सामान्य अभ्यास पाठ।

### इकाई 5 : व्याकरण :

- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, वचन एवं कारक।
- शब्दरूप – अस्मद्, युष्मद्, तद्।
- धातुरूप – स्था, पठ, गम एवं दृश।

### इकाई 6 : संस्कृत शिक्षण की विधियाँ :

- स्वरोच्चारण विधि
- अनुकरण विधि
- अभ्यास विधि
- प्रश्नोत्तर विधि

**क्रियाकलाप :**

- अनुच्छेद लेखन का अभ्यास करना।
- संस्कृत शब्दों एवं वाक्यों का अभ्यास करना।
- संस्कृत कविता के सस्वर पाठ प्रतियोगिता में भाग लेना।
- संस्कृत कहानी लेखन प्रतियोगिता में भाग लेना।
- संस्कृत वार्त्तालाप का अभ्यास करना।
- संस्कृत एकांकी का प्रदर्शन करना।
- संस्कृत शिक्षण से संबंधित पाठ योजना तैयार करना।

**नोट** – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

## প্রথম বর্ষ

### পঞ্চম পত্র

মাতৃভাষা বাংলা-বিষয়বস্তু সহ শিক্ষণ বিধি

১) ভাষা-মাতৃভাষা এবং তার স্বরূপ

ভাষার অর্থ, মাতৃভাষার, পরিভাষা, বিস্তৃতি ও মহত্ত্ব ।

মাতৃভাষা শিক্ষণের উদ্দেশ্য এবং ব্যক্তিজীবনে উপযোগিতা ।

মাতৃভাষা বাংলার ও বাংলা সাহিত্যের ক্রমবিকাশ সম্বন্ধে সংক্ষিপ্ত জ্ঞান ।

মাতৃভাষা বাংলার স্থানভেদে বিশেষ আঞ্চলিক প্রভাব ।

২) মাতৃভাষা-শিক্ষার মাধ্যম

বাংলা ভাষার মহত্ত্ব ও ব্যাপকতা ।

বাংলার মাধ্যমে শিক্ষণ ।

মাতৃভাষা বাংলা শিক্ষা ও শিক্ষণের উদ্দেশ্য ।

শিক্ষার মাধ্যম রূপে বাংলা- সমস্যা, ও সমাধানের উপায় ।

৩) গদ্য- পদ্য শিক্ষণ

গদ্য শিক্ষণ- পরিচয়, গদ্য শিক্ষণ বিধি-আদর্শ বাচন, আদর্শ পঠন, অনুকরণ বাচন, মৌন পঠন, গল্প কথন, অভিনয় বিধি , প্রশ্নোত্তর বিধি, বর্ণন বিধি- ঘটনা বর্ণন, দৃশ্য বর্ণন ।

পদ্য শিক্ষণ-পরিচয়, পদ্যশিক্ষণ বিধি-সরব পাঠ, নীরব পাঠ, পদ্য আবৃত্তি, অনুকরণ বিধি, অর্থবোধ বিধি, ভাববোধ বিধি ।

৪) ব্যাকরণ

ধ্বনির পরিচয়- ধ্বনি ও বর্ণ, বর্ণমালা ।

বর্ণমালার বিভাজন ও তাদের বৈশিষ্ঠ্য ।

শব্দ- পদ পরিচয়- ও তাদের ভেদ ।

পুরুষ, বচন, লিঙ্গ, কাল, বাচ্য, কারক ।

৫) ভাষা শিক্ষণ বিধি ( শিক্ষণ পদ্ধতি )

পাঠ্যপুস্তক অনুগামী, প্রশ্নোত্তর, ব্যাখ্যা, গল্প কথন ।

দেখা ও বলা, খেলার ছলে, আবৃত্তি ও বাদানুবাদ ।

৬) ক্রিয়া কলাপ-

স্বরচিত কবিতা, গল্প, ভ্রমণ বৃত্তান্ত রচনা প্রতিযোগিতার আয়োজন ।

পত্রলেখন, আবেদন পত্র লেখন, হস্তলিপি প্রতিযোগিতার আয়োজন,

আঞ্চলিক বৈশিষ্ঠ্য অনুসারে অভিনয়- নাটক ইত্যাদির আয়োজন ।

প্রচলিত ও প্রাসঙ্গিক প্রবাদ- প্রবচন ও লোকোক্তির সংকলন ।

মহাপুরুষদের শিক্ষামুলক বাণীর সংকলন ।

পাঠ্য সহগামী সামগ্রী ও শিক্ষণ সামগ্রী নির্মাণ ও সংকলন ।

প্রশিক্ষু প্রথম শ্রেণী থেকে পঞ্চম শ্রেণী পর্যন্ত প্রচলিত বাংলা পাঠ্যপুস্তক অবশ্যই অধ্যয়ন করবে ।

# Mother Tongue (Urdu) Teaching Content & Methodology (For First Year) VII Paper

## سال اول کا نصاب

اردو زبان تدریسی موضوع اور طریقہ تدریس

**اکائی ۱۔ اردو زبان کے معنی اور شکل**

☆ زبان کے معنی، تعریف، شکل اور اہمیت
☆ اردو زبان کی مختصر تاریخی معلومات
☆ معیاری اردو کے ذریعہ تلخیص نگاری
☆ مادری زبان اور اسکی خاصیت
☆ زبان اور بولی

**اکائی ۲۔ مادری زبان سے مُراد اور تعارُف**

☆ مادری زبان سے مُراد تعریف اور اہمیت
☆ مادری زبان کے ذریعہ تعلیم
☆ مادری زبان کے غیر معمولی مقاصد
☆ صُوبہ جھارکھنڈ کی اہم بولیاں۔ سنتھالی، کُڑوکھ، منڈاری، ناگپوری، کھڑیا، ہو، پنچ پرگنیاں، کھورٹھا، کُرمالی، ان سبھوں کا عام تعارف

**اکائی ۳۔ تدریس نثر و نظم۔**

☆ نثری درس۔ تعارف، نثری درس کا طریقہ، مطالعہ، روایتی مطالعہ، خاموش مطالعہ کہنا سُننا، اداکاری کا ذریعہ، سوال و جواب کے ذریعہ، سانحہ کا بیان، منظر کشی یا منظر کا بیان
☆ نظم کی تدریس۔ تعارف، منظوم درس کا طریقہ، مترنم پڑھنا، نغماتی طرز، وضاحتی طرز، مطالب فہمی طرز، خیالات فہمی، روایتی طرز

**اکائی ۴۔ آواز کی علامت اور حروف کے تلفظ**

☆ اردو کے اعراب (स्वर, Vowel) حروف صحیح (व्यंजन, Consonent) اور انکی قسمیں۔
☆ لفظ۔ تعارف اور اسکی قسمیں
☆ جنسیت، عددیت، حالت، زمانہ طور (वाच्य, Voice)

**اکائی ۵۔ تدریس زبان کا طریقہ۔**

☆ نصابی کتاب کا طریقہ، سوال و جواب کا طریقہ، وضاحتی طریقہ، کھیل کے ذریعہ دیکھو اور کہو، قصہ کے ذریعہ:۔

**کارکردگی:۔**

☆ کہانی لکھنے اور شعر کہنے کے مقابلے میں شرکت
☆ خطوط نویسی، درخواست لکھنا، تلخیص نگاری میں شرکت
☆ اردو زبان پر اثر ڈالنے والے علاقائی زبان کے الفاظ ر جملوں کی فہرست تیار کرنا
☆ علاقائی حلقہ میں مروج ضرب المثل اور محاوروں کی تالیف (جمع کرنا)
☆ منصوبہ تدریس اور تعلیمی اشیاء کی تخلیق کرنا

**نوٹ:۔** سبھی تربیت یافتگان درجہ اول تا ہشتم تک کے نصابی کتابوں کا تجزیاتی مطالعہ کرینگے۔

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

## सप्तम पत्र ( ग )

# मुण्डारी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : मुण्डारी भाषा का परिचय एवं स्वरूप :

- भाषा का परिचय, स्वरूप एवं महत्त्व।
- मुण्डारी भाषा के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी।
- मानक मुण्डारी भाषा के माध्यम से संक्षेपण एवं पल्लवन।
- मुण्डारी भाषा एवं उसकी विशेषताएँ।
- मुण्डारी भाषा एवं उसकी वर्तनी।

### इकाई 2 : मातृभाषा मुण्डारी का अर्थ एवं उद्देश्य :

- मुण्डारी का अर्थ, परिभाषा एवं महत्त्व
- मुण्डारी के माध्यम से शिक्षा
- मुण्डारी शिक्षण के उद्देश्य
- झारखण्ड की प्रमुख जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं का सामान्य परिचय : जनजातीय भाषाएँ – मुण्डारी, हो, खड़िया, संताली एवं कुड़ुख। क्षेत्रीय भाषाएँ – पंचपरगनिया, खोरठा, कुड़माली एवं नागपुरी।

### इकाई 3 : मुण्डारी गद्य-पद्य शिक्षण :

- गद्य शिक्षण – परिचय, गद्य शिक्षण की विधि – आदर्श वाचन, अनुकरण वाचन, मौन वाचन, कथा-कथन, अभिनय विधि, प्रश्नोत्तर विधि, घटना वर्णन, दृश्य वर्णन।
- पद्य शिक्षण – परिचय, पद्य शिक्षण की विधि – सस्वर वाचन, गायन विधि, व्याख्या विधि, अर्थ बोध, भाव बोध, अनुकरण विधि।

### इकाई 4 : मुण्डारी व्याकरण :

- ध्वनि परिचय एवं उसके भेद।
- मुण्डारी के स्वर एवं व्यंजन तथा उनकी वर्गीकरण।
- शब्द परिचय एवं उसके भेद।
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन, काल।

### इकाई 5 : मुण्डारी भाषा शिक्षण :

- पाठ्यपुस्तक विधि, प्रश्नोत्तर विधि, व्याख्या विधि, खेल विधि, देखो और कहो, कहानी विधि।

**क्रियाकलाप :**

- कहानी एवं कविता लेखन प्रतियोगिता में सहभागिता।
- पत्र लेखन, आवेदन पत्र लेखन, संक्षेपण लेखन में भाग लेना।
- बाल गीत, खेल गीत, शिकार गीत, मेला गीत आदि का संकलन करना।
- मुण्डारी भाषा में पाये जाने वाले अन्य भाषाओं के शब्दों की सूची तैयार करना।
- स्थानीय परिवेश में प्रचलित लोकोक्ति एवं मुहावरों का संकलन करना।
- पाठ योजना एवं शिक्षण सामग्री का निर्माण करना।

**नोट** – सभी प्रशिक्षणार्थी 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम पत्र (घ)

## संताली भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

**इकाई 1 : भाषा का अर्थ एवं स्वरूप :**

(क) भाषा का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य एवं स्वरूप।

(ख) वर्त्तमान परिप्रेक्ष्य में संताली भाषा का महत्त्व।

(ग) संताली भाषा के क्षेत्र एवं जनसंख्या।

(घ) संताली भाषा की विशेषताएँ।

(ङ) संताली भाषा का क्षेत्ररूप।

**इकाई 2 : लिपि का अर्थ एवं स्वरूप :**

(क) लिपि का क्रम विकास – चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनिलिपि।

(ख) लिपि का महत्त्व।

(ग) भारतीय लिपि एवं संताली लिपि।

(घ) स्वर वर्ण, व्यंजन वर्ण एवं उसकी विशेषताएँ।

**इकाई 3 : शब्द का अर्थ, संरचना एवं परिचय :**

(क) संताली शब्द की उत्पत्ति।

(ख) संताली शब्द के भेद – युग्म शब्द, विपरीतार्थक शब्द, पर्यायवाची शब्द।

**इकाई 4 : संताली पद्य-गद्य शिक्षण :**

(क) संताली साहित्य का सामान्य परिचय।

(ख) पद्य साहित्य शिक्षण – परिचय, पद्य शिक्षण की विधि, लोकगीत विधि, कविता विधि, लोरी, बालगीत।

(ग) गद्य साहित्य शिक्षण – परिचय, गद्य शिक्षण की विधि, लोककथा विधि, लोक गाथा विधि, लोक कहानी विधि, लोकवार्त्ता, लोकोक्ति, बुझौवल।

**इकाई 5 : संताली व्याकरण शिक्षण :**

(क) संताली व्याकरण का परिचय एवं भेद।

(ख) संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, पुरुष, कारक।

**इकाई 6 : संताली भाषा शिक्षण विधि :**

(क) प्रश्नोत्तर विधि, अनुवाद विधि, व्याख्या विधि।

(ख) कहानी लेखन विधि, निबंध लेखन विधि एवं पत्र लेखन विधि।

(ग) चित्र द्वारा कहानी लेखन विधि, कहो विधि।

**क्रियाकलाप :**

(क) संताली कहानी, कविता, पत्र, रचना, निबंध, गिनती, लेखन प्रतियोगिता में सहभागिता।

(ख) रंग भरो प्रतियोगिता में सहभागिता।

(ग) मुहावरे एवं कुदुम प्रतियोगिता में सहभागिता।

(घ) विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता।

नोट – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

## सप्तम पत्र (ङ)

# हो भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : हो भाषा का परिचय एवं स्वरूप :

- भाषा का परिचय, स्वरूप एवं महत्त्व।
- हो भाषा के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी।
- मानक हो भाषा के माध्यम से संक्षेपण एवं पल्लवन।
- हो भाषा एवं उसकी विशेषताएँ।
- हो भाषा एवं उसकी वर्तनी।

### इकाई 2 : मातृभाषा हो का अर्थ एवं उद्देश्य :

- मातृभाषा हो का अर्थ, परिभाषा एवं महत्त्व।
- मातृभाषा हो के माध्यम से शिक्षा।
- मातृभाषा हो शिक्षण के उद्देश्य।
- झारखण्ड की प्रमुख जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं का सामान्य परिचय : जनजातीय भाषाएँ – मुण्डारी, हो, खड़िया, संताली एवं कुँडुख। क्षेत्रीय भाषाएँ – पंचपरगनिया, खोरठा, कुड़माली एवं नागपुरी।

### इकाई 3 : हो गद्य-पद्य शिक्षण :

- गद्य शिक्षण – परिचय, गद्य शिक्षण की विधि – आदर्श वाचन, अनुकरण वाचन, मौन–वाचन, कथा कथन, अभिनय विधि, प्रश्नोत्तर विधि, घटना वर्णन, दृश्य वर्णन।
- पद्य शिक्षण – परिचय, पद्य शिक्षण की विधि – सस्वर वाचन, गायन विधि, व्याख्या विधि, अर्थ बोध, भाव बोध, अनुकरण विधि।

### इकाई 4 : हो व्याकरण :

- ध्वनि परिचय एवं उसके भेद।
- हो के स्वर एवं व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण।
- शब्द परिचय एवं उसके भेद।
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन, काल।

### इकाई 5 : हो भाषा शिक्षण विधि :

- पाठ्यपुस्तक विधि, प्रश्नोत्तर विधि, व्याख्या विधि, खेल विधि, देखो और कहो, कहानी विधि।

**क्रियाकलाप :**

- कहानी एवं कविता लेखन प्रतियोगिता में सहभागिता।
- पत्र लेखन, आवेदन पत्र लेखन, संक्षेपण लेखन में भाग लेना।
- बाल गीत, खेल गीत, शिकार गीत, मेला गीत आदि का संकलन करना।
- हो भाषा में पाये जाने वाले अन्य भाषाओं के शब्दों की सूची तैयार करना।
- स्थानीय परिवेश में प्रचलित लोकोक्ति एवं मुहावरों का संकलन।
- पाठ योजना एवं शिक्षण सामग्री का निर्माण करना।

**नोट** – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

## सप्तम् पत्र ( च )

# खड़िया भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : खड़िया भाषा का परिचय एवं स्वरूप :

- खड़िया भाषा का परिचय, स्वरूप एवं महत्त्व।
- खड़िया भाषा के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी।
- मानक खड़िया भाषा के माध्यम से संक्षेपण एवं पल्लवन।
- खड़िया भाषा एवं उसकी विशेषताएँ।
- खड़िया भाषा एवं उसकी वर्तनी।

### इकाई 2 : मातृभाषा खड़िया का अर्थ एवं उद्देश्य :

- मातृभाषा खड़िया का अर्थ, परिभाषा एवं महत्त्व।
- खड़िया के माध्यम से शिक्षा।
- खड़िया शिक्षण के उद्देश्य।
- झारखण्ड की प्रमुख जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं का सामान्य परिचय : जनजातीय भाषाएँ – मुण्डारी, हो, खड़िया, संताली एवं कुडुख। क्षेत्रीय भाषाएँ – पंचपरगनिया, खोरठा, कुड़माली एवं नागपुरी।

### इकाई 3 : खड़िया गद्य-पद्य शिक्षण :

- गद्य शिक्षण – परिचय, गद्य शिक्षण की विधि – आदर्श वाचन, अनुकरण वाचन, मौन-वाचन, कथा वाचन, अभिनय विधि, प्रश्नोत्तर विधि, घटना वर्णन, दृश्य वर्णन।
- पद्य शिक्षण – परिचय, पद्य शिक्षण की विधि – सस्वर वाचन, गायन विधि, व्याख्या विधि, अर्थ बोध, भाव बोध, अनुकरण विधि।

### इकाई 4 : खड़िया व्याकरण :

- ध्वनि परिचय एवं उसके भेद।
- खड़िया के स्वर एवं व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण।
- शब्द परिचय एवं उसके भेद।
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन, काल।

### इकाई 5 : खड़िया भाषा शिक्षण विधि :

- पाठ्यपुस्तक विधि, प्रश्नोत्तर विधि, व्याख्या विधि, खेल विधि, देखो और कहो, कहानी विधि।

क्रियाकलाप :

- कहानी एवं कविता लेखन प्रतियोगिता में सहभागिता।
- पत्र लेखन, आवेदन पत्र लेखन, संक्षेपण लेखन में भाग लेना।
- बाल गीत, खेल गीत, शिकार गीत, मेला गीत आदि का संकलन करना।
- खड़िया भाषा में पाये जाने वाले अन्य भाषाओं के शब्दों की सूची तैयार करना।
- स्थानीय परिवेश में प्रचलित लोकोक्ति एवं मुहावरों का संकलन।
- पाठ योजना एवं शिक्षण सामग्री का निर्माण करना।

नोट – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम् पत्र ( घ )

# कुड़ुख भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

## इकाई 1 : कुड़ुख भाषा का परिचय एवं स्वरूप :

- कुड़ुख भाषा का सामान्य परिचय।
- कुड़ुख भाषा के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी।
- कुड़ुख भाषा का मानक स्वरूप।
- झारखण्ड की प्रमुख भाषाएँ – संताली, मुण्डारी, हो, खड़िया, नागपुरी, खोरठा, पंचपरगनिया, कुड़माली का सामान्य परिचय एवं इनके साथ कुड़ुख भाषा की समानताएँ एवं विभिन्नताएँ।

## इकाई 2 : मातृभाषा का परिचय एवं महत्त्व :

- मातृभाषा कुड़ुख का सामान्य परिचय।
- मातृभाषा कुड़ुख के माध्यम से शिक्षा।
- कुड़ुख भाषा शिक्षण के उद्देश्य।
- मातृभाषा कुड़ुख एवं उसकी विशेषताएँ।
- वर्त्तमान परिप्रेक्ष्य में कुड़ुख भाषा का महत्त्व।

## इकाई 3 : कुड़ुख व्याकरण :

- कुड़ुख वर्णमाला।
- कुड़ुख ध्वनियों की विशेषता।
- कुड़ुख के स्वर, व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण।
- शब्द परिचय एवं उसके भेद।
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन, कारक एवं काल।

## इकाई 4 : कुँड़ुख गद्य-पद्य शिक्षण :

- कुड़ुख गद्य शिक्षण – परिचय, गद्य शिक्षण की विधि – आदर्श वाचन, अनुकरण वाचन, मौन वाचन, कथा कथन, अभिनय विधि, प्रश्नोत्तर विधि, घटना वर्णन, दृश्य वर्णन।
- कुड़ुख पद्य शिक्षण – परिचय, पद्य शिक्षण की विधि – सस्वर वाचन, गायन विधि, व्याख्या विधि, अर्थ बोध, भाव बोध, अनुकरण विधि।

## इकाई 5 : कुड़ुख भाषा शिक्षण विधि :

- पाठ्यपुस्तक विधि, प्रश्नोत्तर विधि, व्याख्या विधि, खेल विधि, देखो और कहो विधि, कहानी विधि, अनुवाद विधि।

क्रियाकलाप :

- कहानी एवं कविता लेखन प्रतियोगिता में सहभागिता।
- पत्र लेखन, आवेदन पत्र लेखन, संक्षेपण लेखन में भाग लेना।
- कुडुख लोक गीत एवं लोक कथा संग्रह करना।
- कुडुख भाषा में पाये जाने वाले अन्य भाषाओं के शब्दों की सूची तैयार करना।
- स्थानीय परिवेश में प्रचलित लोकोक्तियों, मुहावरों एवं बुझौवलों का संग्रह करना।
- पाठ योजना एवं शिक्षण सामग्री का निर्माण करना।

नोट – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

## सप्तम पत्र (ज)

# नागपुरी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : भाषा का अर्थ एवं स्वरूप :

- भाषा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व।
- बोली और भाषा में अंतर।
- नागपुरी भाषा का उद्‌भव विकास।
- नागपुरी भाषा का आर्य भाषा से संबंध।
- राष्ट्रीय एकता में क्षेत्रीय भाषाओं का महत्त्व।
- नागपुरी भाषा की विशेषताएँ।
- नागपुरी भाषा के माध्यम से संक्षेपण।

### इकाई 2 : मातृभाषा का अर्थ एवं परिचय :

- मातृभाषा का अर्थ एवं परिचय।
- मातृभाषा और सम्पर्क भाषा।
- मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा।
- मातृभाषा शिक्षण के उद्देश्य।
- राष्ट्र के विकास में मातृभाषा की उपयोगिता।
- झारखण्ड की अन्य प्रमुख भाषाएँ – संताली, मुण्डारी, कुडुख, हो, खड़िया, कुड़माली, खोरठा, पंचपरगनिया का सामान्य परिचय।

### इकाई 3 : पद्य-गद्य शिक्षण :

- पद्य शिक्षण – पद्य की परिभाषा, पद्य विधाओं का परिचय (गीत, कविता, खण्डकाव्य, महाकाव्य), पद्य शिक्षण की विधि – वाचन, सस्वर वाचन, गीत लालित्य, व्याख्या विधि, अर्थ, अर्थ बोध विधि, भाव बोध, अनुकरण विधि।
- गद्य शिक्षण : गद्य की परिभाषा, गद्य विधाओं का परिचय (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, लेख आदि), गद्य शिक्षण की विधि – आदर्श वाचन, अनुकरण वाचन, कथा-कथन (कहानी) एवं अभिनय विधि, प्रश्नोत्तर विधि, घटना वर्णन, दृश्य वर्णन आदि।

### इकाई 4 : व्याकरण :

- नागपुरी ध्वनियों की विशेषताएँ।
- नागपुरी की स्वर-व्यंजन ध्वनियाँ तथा उसके प्रयोग/व्यवहार।

- नागपुरी के शब्द भण्डार – देशज, तद्भव, तत्सम्, विदेशी एवं पार्श्ववर्त्ती भाषाओं के शब्द।
- सहायक क्रिया आहे/हेके/हय का प्रयोग।
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन, कारक, क्रिया।

**इकाई 5 : भाषा शिक्षण विधि :**

- पाठ्यपुस्तक विधि, प्रश्नोत्तर विधि, व्याख्या विधि, खेल विधि, देखो और कहो, कहानी विधि।

**क्रियाकलाप :**

- कहानी, निबंध, गीत, कविता लेखन प्रतियोगिता में सहभागिता।
- वाद-विवाद, भाषण, खेल-कूद, नृत्य-गीत प्रतियोगिता में सहभागिता।
- पत्र-लेखन, आवेदन पत्र लेखन, संक्षेपण लेखन में भाग लेना।
- नागपुरी भाषा पर जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा तथा अन्य भाषा के प्रभाव डालने वाले शब्द/वाक्य की सूची तैयार करना।
- नागपुरी मुहावरे, लोकोक्ति, पहेली, मंत्र आदि का संकलन करना।
- पाठ योजना एवं शिक्षण सामग्री का निर्माण करना।

नोट – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

<u>प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम</u>

# सप्तम पत्र (झ)

# कुड़माली भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

## इकाई 1 : भाषा का अर्थ एवं स्वरूप :

- भाषा एवं मातृभाषा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व।
- कुड़माली भाषा के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी।
- मानक कुड़माली भाषा के माध्यम से संक्षेपण।
- कुड़माली भाषा एवं उसकी प्रकृति।
- कुड़माली भाषा एवं क्षेत्रीय स्वरूप।

## इकाई 2 : कुड़माली मातृभाषा का अर्थ एवं परिचय :

- कुड़माली भाषा का परिचय, महत्त्व।
- कुड़माली भाषा के माध्यम से शिक्षा।
- कुड़माली भाषा शिक्षण के उद्देश्य।
- झारखण्ड की प्रमुख जनजातीय भाषाएँ – कुडुख, मुण्डारी, हो, संताली, खड़िया एवं क्षेत्रीय भाषाएँ – कुड़माली, नागपुरी, पंचपरगनिया, खोरठा का परिचय।

## इकाई 3 : कुड़माली गद्य-पद्य शिक्षण :

- कुड़माली गद्य शिक्षण – परिचय, गद्य शिक्षण की विधि – आदर्श वाचन, अनुकरण वाचन, कथा-कथन (कहानी) एवं अभिनय विधि, प्रश्नोत्तर विधि, घटना वर्णन, दृश्य वर्णन आदि।
- कुड़माली पद्य शिक्षण – परिचय पद्य शिक्षण की विधि – वाचन, सस्वर वाचन, गीत लालित्य, व्याख्या विधि, अर्थ, अर्थ बोध विधि, भाव बोध, अनुकरण विधि।

## इकाई 4 : कुड़माली व्याकरण :

- कुड़माली भाषा के ध्वनि के लक्षण एवं भाषायी ध्वनि।
- कुड़माली के स्वर (हहि कड़) एवं व्यंजन (पाहि कड़) तथा उनका वर्गीकरण।
- कुड़माली शब्द (साड़ा) परिचय एवं भेद।
- संज्ञा (आंगा), वचन (लेखा), लिंग (लिंगा), सर्वनाम (अइजि), कारक (दसा)।

## इकाई 5 : कुड़माली भाषा शिक्षण विधि :

- कुड़माली पाठ्यपुस्तक विधि, प्रश्नोत्तर विधि, व्याख्या विधि, खेल विधि, चित्र वर्णन विधि, देखो और कहो, कहानी विधि, सुनो और बोलो

क्रियाकलाप :

- कुड़माली कहानी, कविता रचना एवं लेखन प्रतियोगिता, पर्व त्योहार, संस्कार, संस्कृति में सहभागिता।
- कुड़माली पत्र लेखन, आवेदन लेखन, संक्षेपण लेखन में भाग लेना।
- खेल-कूद, नाच-गान एवं अखाड़ा में शामिल होना।
- कुड़माली भाषा का जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं पर प्रभाव डालने वाले शब्द/वाक्य की सूची तैयार करना।
- कुड़माली क्षेत्र में प्रचलित लोकोक्तियों एवं मुहावरों का संकलन।
- कुड़माली सूक्तियों एवं सुभाषितों का लेखन।
- कुड़माली पाठ योजना एवं शिक्षण सामग्री का निर्माण करना।

नोट – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम पत्र ( ञ )

# खोरठा भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

**इकाई 1 : खोरठा भाषा का अर्थ एवं स्वरूप :**

- भाषा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व
- बोली और भाषा में अंतर
- खोरठा भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- मानक खोरठा भाषा के माध्यम से संक्षेपण
- खोरठा भाषा की विशेषताएँ
- खोरठा भाषा और उसके क्षेत्रीय भेद

**इकाई 2 : खोरठा मातृभाषा का अर्थ एवं परिचय :**

- मातृभाषा का अर्थ, परिभाषा, महत्त्व
- राष्ट्र के विकास में मातृभाषा की उपयोगिता
- मातृभाषा शिक्षण के उद्देश्य
- झारखण्ड की प्रमुख भाषाएँ – संताली, कुडुख, मुण्डारी, नागपुरी, खड़िया, हो, खोरठा, पंचपरगनिया, कुड़माली का सामान्य परिचय एवं खोरठा का आदिवासी एवं सदानी भाषाओं से संबंध।

**इकाई 3 : खोरठा पद्य-गद्य शिक्षण :**

- पद्य शिक्षण – परिचय, पद्य शिक्षण की विधि – सस्वर वाचन, गीत विधि, व्याख्या विधि, अर्थबोध विधि, भावबोध, अनुकरण विधि।
- गद्य शिक्षण – परिचय, गद्य शिक्षण की विधि – आदर्श वाचन, अनुकरण वाचन, मौन वाचन, कथा, कहानी, प्रश्नोत्तर विधि, घटना वर्णन, दृश्य वर्णन, अभिनय विधि।

**इकाई 4 : खोरठा व्याकरण :**

- खोरठा ध्वनि की विशेषता
- खोरठा के स्वर, व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण
- खोरठा शब्द भण्डार (1) ठेठ शब्द (2) दूसरी भाषाओं के शब्द
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन, कारक, काल, वाच्य

**इकाई 5 : खोरठा भाषा शिक्षण विधि :**

- पाठ्यपुस्तक विधि, प्रश्नोत्तर विधि, व्याख्या विधि, अनुवाद विधि, खेल विधि, देखो और कहो, सुनो और बोलो, चित्र विधि, कहानी विधि

क्रियाकलाप :

- कहानी, कविता, निबंध एवं नृत्य–गीत प्रतियोगिता में सहभागिता।
- पत्र लेखन, आवेदन पत्र लेखन, संक्षेपण लेखन में भाग लेना।
- खोरठा भाषा पर अन्य सदानी एवं आदिवासी भाषाओं के प्रभाव डालने वाले शब्द/वाक्य की सूची तैयार करना।
- स्थानीय परिवेश में प्रचलित लोकोक्तियों एवं मुहावरों का संकलन करना।
- सूक्तियों एवं सुभाषितों, पहेलियों का संकलन एवं लेखन।
- मेला, पर्व–त्योहार, अखड़ा, संस्कार, खेल–कूद, नाच–गान एवं सांस्कृतिक कार्यों में सहभागिता।
- पाठ योजना एवं शिक्षण सामग्री का निर्माण करना।
- शुद्ध उच्चारण से संबंधित ऑडियो कैसेट बनाना।

नोट – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

## प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम पत्र ( ट )

# पंचपरगनिया भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

**इकाई 1 : पंचपरगनिया भाषा का अर्थ एवं स्वरूप :**

- पंचपरगनिया भाषा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व
- पंचपरगनिया भाषा के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी
- मानक पंचपरगनिया भाषा के माध्यम से संक्षेपण
- पंचपरगनिया एवं उसकी विशेषताएँ
- भाषा और बोली

**इकाई 2 : पंचपरगनिया मातृभाषा का अर्थ एवं परिचय :**

- पंचपरगनिया मातृभाषा का अर्थ, परिभाषा एवं महत्त्व
- पंचपरगनिया मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा
- पंचपरगनिया मातृभाषा शिक्षण के उद्देश्य
- झारखण्ड की प्रमुख भाषाएँ – संताली, कुड़ुख, मुंडारी, नागपुरी, खड़िया, हो, पंचपरगनिया, खोरठा, कुड़माली इनका सामान्य परिचय।

**इकाई 3 : पंचपरगनिया गद्य-पद्य शिक्षण :**

- गद्य शिक्षण – परिचय, गद्य शिक्षण की विधि, अनुकरण वाचन, मौन वाचन, लोक कथा, लोक गाथा, कहानी, घटना वर्णन, दृश्य वर्णन, अनुकरण विधि, वार्त्तालाप विधि।
- पद्य शिक्षण – परिचय, पद्य शिक्षण की विधि, गीत विधि, व्याख्या विधि, अर्थ बोध विधि, भाव बोध, अनुकरण विधि, बाल गीत, मंत्र गीत, लोरी।

**इकाई 4 : पंचपरगनिया व्याकरण :**

- पंचपरगनिया ध्वनि के लक्षण एवं भाषायी ध्वनि
- पंचपरगनिया के स्वर, व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण
- पंचपरगनिया शब्द परिचय एवं उसके भेद
- पंचपरगनिया लिंग, वचन, कारक, काल, वाच्य, उपसर्ग, प्रत्यय, अनेक शब्द के बदले एक शब्द।

**इकाई 5 : पंचपरगनिया भाषा शिक्षण विधि :**

- पाठ्यपुस्तक विधि, प्रश्नोत्तर विधि, व्याख्या विधि, खेल विधि, देखो और कहो, कहानी विधि

क्रियाकलाप :

- कहानी एवं कविता लेखन प्रतियोगिता में सहभागिता।
- पत्र लेखन, आवेदन-पत्र लेखन, संक्षेपण लेखन में भाग लेना।
- पंचपरगनिया भाषा पर क्षेत्रीय भाषा के प्रभाव डालने वाले शब्द/वाक्य की सूची तैयार करना।
- स्थानीय परिवेश में प्रचलित लोकोक्तियों एवं मुहावरों का संकलन करना।
- सूक्तियों एवं सुभाषितों का लेखन।
- पाठ योजना एवं सामग्री का निर्माण करना।

नोट – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# एकादश पत्र : शिक्षण-अभ्यास

## प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

प्रतिवर्ष अभ्यास पाठ कार्यक्रम निम्नलिखित रूप में होगा –

### 1. सूक्ष्म शिक्षण (Micro Teaching) :

- सूक्ष्म शिक्षण के संबंध में व्याख्याता के द्वारा अर्थ एवं सामान्य जानकारी दी जाएगी।
- प्रति प्रशिक्षाणार्थी को कम से कम सात सूक्ष्म शिक्षण देना होगा एवं कम से कम तीन सूक्ष्म शिक्षण का अवलोकन कर उनका प्रतिवेदन (रिपोर्ट) प्रस्तुत करना आवश्यक है।
- संपूर्ण सूक्ष्म शिक्षण के विषय को ग्रुप में बाँटकर कराया जाएगा।
- प्रति सूक्ष्म शिक्षण 5 मिनट का होगा एवं अंत में संपूर्ण सूक्ष्म शिक्षण 15 मिनट का होगा।
- सूक्ष्म शिक्षण का पाठ योजना तैयार कर सूक्ष्म शिक्षण प्रस्तुत करना होगा।

### 2. प्रदर्शन पाठ/आदर्श पाठ (Demonstration Lesson) :

- सूक्ष्म शिक्षण का एक-एक आदर्श पाठ व्याख्याताओं द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।
- सूक्ष्म शिक्षण का आदर्श पाठ विषयवार व्याख्याताओं द्वारा प्रदर्शित किया जाएगा।
- कुल प्रदर्शन पाठ की संख्या 6 होगी।
- सभी प्रशिक्षणार्थियों की सभी प्रदर्शन पाठ में उपस्थिति अनिवार्य है।

### 3. समालोचना पाठ (Criticism Lesson) Š

- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को कम से कम एक समालोचना पाठ प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को कम से कम पाँच समालोचना पाठ में उपस्थित रहकर एवं पाठ का अवलोकन कर उनका रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- समालोचना पाठ की अवधि एक पूर्ण वर्गावधि की होगी।

### 4. शिक्षण-अभ्यास (Practice Teaching) :

- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को प्रतिवर्ष शिक्षण अभ्यास पाठ प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को प्रतिदिन कम से कम दो शिक्षण-अभ्यास पाठ देना आवश्यक है।
- शिक्षण अभ्यास के लिए पाठ योजना शिक्षण अधिगम सामग्री एवं विषय की तैयारी के साथ पाठ प्रस्तुत करना है।
- शिक्षण अभ्यास के दौरान प्रशिक्षणार्थी को दैनिक दैनन्दिनी (डायरी) लिखना आवश्यक है।

द्वितीय वर्ष में प्रदर्शन पाठ एवं समालोचना पाठ प्रस्तुत करना आवश्यक नहीं है।

- प्रथम वर्ष की भाँति द्वितीय वर्ष में सात सूक्ष्म शिक्षण अभ्यास पाठ प्रस्तुत करना एवं तीन सूक्ष्म शिक्षण पाठ का रिपोर्ट प्रस्तुत करना आवश्यक है।
- द्वितीय वर्ष में 33 शिक्षण अभ्यास पाठ प्रस्तुत करना आवश्यक है। जिसमें प्रत्येक विषय से दो शिक्षण अभ्यास पाठ अवश्य होना चाहिए।

## प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

# द्वादश पत्र

# कम्प्यूटर (Computer)

1. कम्प्यूटर के सभी अवयवों एवं संबंधित उपकरणों की जानकारी
2. कम्प्यूटर ऑपरेशन की जानकारी
3. Logo का परिचय एवं उसके Commands की जानकारी
4. D. W. Basic Programming का परिचय एवं उसके Commands की जानकारी
5. Internet का परिचय एवं Internet browse करने की जानकारी

## सत्रगत-कार्य :

1. कम्प्यूटर के मुख्य अवयवों एवं उपकरणों का चित्रण एवं नामकरण
2. Logo के 5 Output का चित्रण
3. D. W. Basic के 5 Output का चित्रण
4. Internet की प्रक्रिया का चित्रण एवं वर्णन
5. Logo के 5 Output प्रदर्शित करना
6. D. W. Basic के 5 Output प्रदर्शित करना
7. Internet खोलना एवं browse करके दिखाना

## प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

# त्रयोदश पत्र

# कार्यानुभव एवं शारीरिक शिक्षा

कार्यानुभव : *निम्नलिखित पाँच कार्यानुभवों में से किन्हीं दो करना अनिवार्य है।*

### 1. बागवानी (Gardening) :

(i) बागवानी में प्रयुक्त होने वाले औजारों जैसे – खुरपी, हंसुआ, कुदाल, ग्रास-कटर, फुलझरी इत्यादि के प्रयोग की जानकारी होना।

(ii) जमीन की तैयारी, खाद डालना, निराई करना, क्यारी तैयार करना।

(iii) सिंचाई हेतु नाली तैयार करना।

(iv) विभिन्न मौसमों में उपजने वाले साग-सब्जियों का बिचड़ा तैयार करना, उन्हें लगाना तथा उनकी देख रेख करना।

-----

### 2. कृषि (Agriculture) :

(i) कृषि उपकरण – हल, ट्रैक्टर, पावरटीलर, हेंगा, पाल्टा, कुदाल, खुरपी, हँसुआ आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त कर उनका उपयोग आवश्यकतानुसार करना।

(ii) प्रमुख खरीफ फसल जैसे – धान, मकई, ज्वार, बाजरा, उड़द, गोंदली तथा रबी फसल जैसे – चना, मसूर, मूंग, कुरथी, जौ आदि की जानकारी प्राप्त करना एवं दोनों तरह की फसलों में से एक-एक फसल उपजाना।

(iii) क्यारी की तैयारी एवं पौधशाला निर्माण की विधि जानना एवं उन्हें तैयार करना।

(iv) उन्नत किस्म के बीजों की जानकारी प्राप्त करना, उनका चुनाव करना तथा उनका प्रयोग करना।

-----

### 3. गृह विज्ञान (Home Science) :

(i) संतुलित आहार की दृष्टि से भोज्य-पदार्थों की जानकारी प्राप्त कर इनका सही ढंग से उपयोग करना।

(ii) भोज्य पदार्थों का संग्रह, परीक्षण एवं प्रबंधन करना।

(iii) रूमाल, टेबल-क्लॉथ, तकिया-गिलाफ एवं किसी भी वस्तु से पाँवदान तैयार करना।

(iv) दीवार-सजावट, कमरों की सजावट, उत्सव एवं कार्यक्रमों के समय की सजावट तथा रंगोली बनाना।

-----

**4. कोलाज-कार्य :**

(i) स्थानीय छीजन एवं बेकार वस्तुओं से उपयोगी सामग्री तैयार करना।

(ii) विभिन्न प्रकार के चेपक की जानकारी प्राप्त करना एवं उनका उपयोग करना।

(iii) रंगीन एवं विभिन्न प्रकार के कागज, बीज, पत्ती, घास, चिड़ियों के पंख आदि से बने खिलौने अथवा फूलदानी तैयार करना।

(iv) शुभकामना कार्ड, बधाई कार्ड, कार्यक्रम संबंधी कार्ड एवं निमंत्रण कार्ड तैयार करना।

---

**5. कटाई एवं सिलाई (Cutting & Tailoring) :**

(i) कटाई एवं सिलाई के औजारों का परिचय एवं उनका उपयोग करना।

(ii) विभिन्न स्टिच जैसे -- रनिंग स्टिच, हेमिंग स्टिच, बैक स्टिच, क्रॉस स्टिच, पंचिंग स्टिच, कट वर्क, बटन हॉल स्टिच, जमा स्टिच इनमें से किसी छः स्टिच का अभ्यास कर नमूना तैयार करना।

(iii) 2 लेडीज एवं दो जेन्ट्स रूमाल तैयार करना।

(iv) 1 टेबल क्लॉथ तैयार करना।

(v) फ्रॉक-समीज-जांघिया, कुर्त्ता-पाजामा, बाबा सूट में से किन्हीं दो सेट को तैयार करना।

---

**6. शारीरिक शिक्षा :**

(i) ड्रिल, मार्चिंग एवं मार्च पास्ट का अभ्यास करना।

(ii) प्रातःकालीन व्यायाम में भाग लेना।

(iii) संध्या समय खेल में भाग लेना।

(iv) दौड़, लम्बी-कूद, ऊँची-कूद, रस्सी-कूद में भाग लेना।

(v) फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केट बॉल एवं कबड्डी में से कम से कम एक खेल में भाग लेना।

(vi) सूर्यनमस्कार, वज्रासन, सर्वांगासन, शीर्षासन में से किन्हीं दो का अभ्यास करना।

(vii) स्काउट-गाइड क्रियाशीलन में भाग लेना।

---

प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

# चतुर्दश पत्र : सामुदायिक जीवन

## प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

**संस्थान में :**

1. दैनिक प्रार्थना में भाग लेना।
2. महाविद्यालय परिसर, छात्रावास, शौचालय एवं मैदान की सफाई करना।
3. स्थानीय / राष्ट्रीय महत्त्व के दिवसों, जयन्तियों एवं प्रमुख उत्सवों का आयोजन कर उसमें भाग लेना।
4. सांस्कृतिक कार्यक्रमों, मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन कर उसमें भाग लेना।
5. सामूहिक सहभोज का आयोजन कर उसमें भाग लेना।
6. रोगी / बच्चे / मित्र की सहायता एवं जरूरतमंद व्यक्तियों की सहायता करना।
7. महाविद्यालय एवं छात्रावास की व्यवस्था हेतु समिति का गठन कर उसमें भाग लेना।
8. सेमिनार, कार्यशाला एवं व्याख्यानमाला का आयोजन करना।
9. शैक्षिक चल-चित्र / वृतचित्र / स्लाइड / सी. डी. के प्रदर्शन का आयोजन करना।
10. वार्षिकोत्सव/वार्षिक खेलकूद समारोह का आयोजन करना।

**समुदाय में :**

1. समुदाय का शैक्षिक सर्वेक्षण कर उसका रिपोर्ट तैयार करना।
2. समुदाय में श्रमदान एवं सेवा शिविर का आयोजन करना।
3. ग्रामीण उत्सव एवं कार्यक्रमों में भाग लेना।
4. समुदाय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना।
5. साक्षरता अभियान एवं महिला सशक्तीकरण कार्यक्रमों में सहयोग करना।
6. सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, प्रौढ़ शिक्षा / साक्षरता, स्वास्थ्य संबंधी शिक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करना यथा – नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी, रूट मार्च, प्रदर्शनी, पोस्टर तैयारी करना एवं चिपकाना आदि।
7. पड़ोसी विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद का आयोजन करना।

**निर्देश :** महाविद्यालय/संस्थान में उपर्युक्त क्रियाशीलनों का संपादन सुविधानुसार यथासमय प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के शैक्षिक सत्र में पूरा करेंगे और इसका अभिलेख प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी तैयार करेंगे।

क्रियाशीलनों एवं सहभागिता के आधार पर इनका आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण
का द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

# द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

झारखण्ड अधिविद्य परिषद्, राँची

## द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# फाउन्डेशन पत्र तृतीय

# विद्यालय संगठन, निर्देशन एवं परामर्श

### इकाई 1 : विद्यालय प्रबंध की अवधारणा, आवश्यकता, अर्थ, उद्देश्य एवं सिद्धांत

- प्राथमिक शिक्षा का प्रबन्धन, वित्त एवं योजना।
- विद्यालय भवन के संसाधन, भवन का स्वरूप, स्थल चयन वर्गकक्ष, छात्रावास, क्रीड़ास्थल की आवश्यकता, उपस्कर साज-सज्जा एवं उपकरणों की व्यवस्था।
- मानव संसाधन का संगठन।
- आवश्यकताओं की पूर्ति में जन सहयोग।

### इकाई 2 : विद्यालय प्रबन्धन

- प्राथमिक शिक्षा के संदर्भ में झारखण्ड शिक्षा सेवा नियमावली, सेवाशर्त्त, वेतनमान, प्रोन्नति, सेवानिवृत्ति।
- प्रधानाध्यापक, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति।
- प्रधानाध्यापक के गुण अधिकार एवं कर्त्तव्य।
- प्रमुख अभिलेखों की जानकारी, रखरखाव एवं संधारण।
- विद्यालय समय-सारणी, पुस्तकालय का महत्त्व।

### इकाई 3 : सुविधा वंचित वर्ग की शिक्षा

- अनुसूचित जनजाति की शिक्षा, स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी प्रयास।
- अनुसूचित जाति की शिक्षा, स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी प्रयास।
- पिछड़े वर्ग की शिक्षा – स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी प्रयास।
- बालिका शिक्षा – स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी प्रयास।
- विकलांगों की शिक्षा – स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी प्रयास।

### इकाई 4 : निर्देशन एवं परामर्श

- निर्देशन एवं परामर्श का परिचय, परिभाषा एवं आवश्यकता।
- निर्देशन एवं परामर्श के क्षेत्र, उपयोगिता, महत्त्व।
- बच्चों की समस्या की पहचान एवं उनके निदान, शिक्षक एवं अभिभावक की भूमिका।
- निर्देशन एवं परामर्श के तकनीक एवं उपकरण।

## इकाई 5 : शिक्षक एवं शिक्षक प्रशिक्षण

- सफल / आदर्श शिक्षक के गुण।
- वर्ग कक्षा, विद्यालय एवं समुदाय में शिक्षक की भूमिका।
- सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन में शिक्षक की भूमिका।
- शिक्षक प्रशिक्षण-सेवा पूर्व, सेवाकालीन, मुक्त-प्रशिक्षण।

## इकाई 6 : एजेन्सीज और प्रोग्राम

- यूनिसेफ, एन. सी. ई. आर. टी., एन. सी. टी. ई., एस. सी. ई. आर. टी., डायट, बी. आर. सी., सी. आर. सी. आई., सी. डी. एस., आँगनबाड़ी, मध्याह्न भोजन. साइकिल वितरण योजना, पुस्तक वितरण योजना।
- सेतु पाठ्यक्रम, पूर्व बालपन शिक्षा।
- सर्वशिक्षा अभियान का परिचय, उद्देश्य एवं क्रियान्वयन का स्वरूप।
- पंचायती राज एवं शिक्षा।

द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# फाउन्डेशन पत्र - चतुर्थ

# शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं मूल्यांकन

## इकाई 1 : अर्थ, महत्त्व, उपयोगिता एवं विशेषताएँ

- नयी शिक्षा व्यवस्था में इसकी भूमिका।
- हार्डवेयर और साफ्टवेयर में अन्तर।
- जनसंचार माध्यम और शिक्षा में उनकी उपयोगिता।
- कम्प्यूटर की शैक्षिक उपयोगिता, ईमेल, इन्टरनेट, लैपटॉप, फैक्स, स्थिर और गतिमान प्रोजेक्टर, आडियो-विडियो रेकॉर्डिंग, इन्स्टुमेंट।
- टेलीकान्फ्रेंसिंग माइक्रोटीचिंग एवं उसकी तकनीक।

## इकाई 2 : पाठ्यक्रम का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, पाठ्यक्रम एवं सिलेबस में अन्तर

- पाठ्यक्रम के अवयव – उद्देश्य निर्धारण, विषय-वस्तु का चयन, विषय-वस्तु का संगटन।
- पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धांत।
- अनिवार्य पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम, फ्रेम वर्क, न्यूनतम अधिगम स्तर।
- अधिगम में निपुणता।

## इकाई 3 : मापन एवं मूल्यांकन

- मापन, मूल्यांकन एवं परीक्षण का अर्थ, विशेषताएँ तथा अन्तर।
- सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा।
- दक्षता आधारित मूल्यांकन।
- परीक्षा के प्रकार – निबंधात्मक, लघूत्तरीय, वस्तुनिष्ठ, इकाई परीक्षण, उपलब्धि जाँच।
- संबंधित जाँच के अभिलेख का संधारण।

## इकाई 4 : पाठ योजना

- पाठ योजना का अर्थ एवं प्रकार।
- पाठ योजना बनाने के सोपान।
- इकाई योजना।
- शिक्षण उपादान।

## इकाई 5 : सांख्यिकी एवं आँकड़ा

- सांख्यिकी का अर्थ, परिभाषा एवं महत्त्व।
- आँकड़ा का अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार।
- बारंबारता, संचयी बारंबारता, मध्य बिन्दु (वर्ग चिह्न) का परिचय, बारंबारता सारणी तैयार करना।
- संचयी बारंबारता ज्ञात करने की विधि।

## इकाई 6 : माध्य, माध्यिका एवं बहुलक का परिचय एवं परिभाषा

- माध्य, माध्यिका एवं बहुलक ज्ञात करने की विधि।
- दण्ड चार्ट, आयत चित्र, बारंबारता बहुभुज, चित्रालेख एवं वृतत चार्ट तैयार करना।

द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# पंचम पत्र

# हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु-सह-शिक्षण विधि

## इकाई 1 : भाषा कौशल का विकास

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल विकास का महत्त्व।
- भाषा कौशल विकास की सहगामी क्रियाएँ।

## इकाई 2 : व्याकरण शिक्षण

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- संधि, समास, प्रत्यय, उपसर्ग, विलोम शब्द, समानार्थक शब्द, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द, मुहावरा।

## इकाई 3 : भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्त्तालाप, प्रश्नोत्तर, अभ्यास, स्वराघात, बलाघात, चित्रवर्णन, प्रतिकृति एवं अनुकृति।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, रेखा चित्र, रेडियो, दूरदर्शन, नाटक, चलचित्र, टेपरिकॉर्डर, कम्प्यूटर, पत्र-पत्रिका एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।

## इकाई 4 : भाषा शिक्षण विधि

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।
- पाठ्यपुस्तक विधि, सहयोग प्रणाली।

## इकाई 5 : हिन्दी भाषा एवं साहित्य

- हिन्दी भाषा एवं साहित्य के विकास की समस्याएँ।
- कला-संस्कृति विकास में हिन्दी साहित्य का योगदान।
- प्राथमिक शिक्षा में हिन्दी भाषा का महत्त्व।
- मातृभाषा के माध्यम से हिन्दी शिक्षण।

## क्रिया-कलाप

- भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- सुनो और बोलो का अभ्यास।
- अंत्याक्षरी एवं अभिनय में भाग लेना।
- पाठ्यपुस्तक से संबंधित साहित्यकारों के चित्रों का संकलन।
- कविता एवं कहानी लेखन।
- शुद्ध उच्चारणों से संबंधित एक-एक आडियो कैसेट तैयार करना।

नोट : सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्य पुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

**First Year Syllabus**

## Sixth Paper

# English Teaching : Content Cum Methodology

### UNIT 1 : Usage

(a) Verbs — Finites and non-finites — Auxiliary Verbs — Anomalous finites
(b) Time and Tense — Study of English Tense
(c) Use of Adjectives, Nouns, Pronouns, Articles, Prepositions, Conjections, Infinitives and gerunds.
(d) Sentences — Kinds, Conversions, Synthesis.
(e) Reported Speech
(f) The Passive Construction
(g) Punctuation
(h) Question form, Question tags
(i) Syntax

### UNIT 2 : Spoken English :

(a) A brief introduction to the Speech sounds of English Vowels, Consonants and dipthongs to phonetic symbols and transcription in international phonetic scripts to enable the pupil teacher to use a pronouncing dictionary.
(b) Word Stress and Sentence stress
(c) Strong and Weak forms
(d) Rhythm and intonation

### UNIT 3 : Written English :

(a) Pattern & letter
(b) Connected Writing
(c) Systematic Writing
(d) Writing Stories from incomplete outline.
(e) Writing a Paragraph or an essay on any given topic
(f) Letter Writing

### UNIT 4 : Comprehension :

The text shall contain prose, poetry, rhymes from the text book used in Class 5th to 8th.

## Personal Project

(1) Identifying language errors in listening, Speaking, reading and Writing

(2) Deliver a Speech

(3) Write an essay

(4) Participate in a debate

(5) Write a Story

(6) Write a Poem

(7) Show sufficient proficiency in Conversation

(8) Read a difficult passage without mistakes

**Note :** All trainees will take part in an analytical study of text books of class one to eight.

## द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम पत्र

# संस्कृत शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : संस्कृत साहित्य का इतिहास

- रामायण, महाभारत, पुराण, पंचतंत्र, हितोपदेश, कालिदास, विशाखादत्त, वाणभट्ट, पाणिनी के संदर्भ में संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।

### इकाई 2 : संस्कृत गद्य-पद्य शिक्षण :

- संस्कृत गद्य शिक्षण का महत्त्व एवं विधि जैसे –कहानी विधि, अभिनय विधि, संवाद विधि, प्रश्नोत्तर विधि।
- संस्कृत पद्य शिक्षण का महत्त्व एवं विधि जैसे –सस्वर वाचन, गीत विधि, व्याख्या विधि, अर्थबोध विधि।

### इकाई 3 : अनुवाद :

- मातृभाषा का संस्कृत में अनुवाद, संस्कृत वाक्यों का मातृभाषा में अनुवाद।
- अनुवाद का भाषागत एवं व्यावहारिक महत्त्व एवं उपयोग।
- संस्कृत शिक्षण प्रारंभ करने का छात्रों का स्तर, व्याकरण से इसका संबंध।

### इकाई 4 : व्याकरण :

- व्याकरण अध्ययन की प्रत्यक्ष एवं परोक्ष विधि तथा इसकी विशेषताएँ।
- संधि, समास, प्रत्यय, उपसर्ग, लिंग निर्णय।
- शब्द रूप – अकारान्त, आकारान्त, इकारान्त, ईकारान्त।
- धातु रूप – भू, पच्, दा, श्रु।

### इकाई 5 : रचना :

- अनुच्छेद लेखन, कथा लेखन, पद्य लेखन।
- रिक्त स्थान पूर्त्ति, शब्द एवं वाक्य मिलान, वाक्य रचना।

### इकाई 6 : संस्कृत शिक्षण विधि :

- अनुवाद विधि।
- चित्र वर्णन विधि।
- सुनो और बोलो विधि।
- कथा कथन विधि।

## क्रियाकलाप

- संस्कृत कविता रचना में भाग लेना।
- संस्कृत संभाषण में भाग लेना।
- वर्ग 1 से वर्ग 8 तक की पाठ्यपुस्तकों में से 10-10 सूक्तियाँ चुनकर लिखना तथा उनका अर्थ भी लिखना।
- दस सुभाषितों को कंठस्थ कर उनका अर्थ बताना।
- 10 कहानी अथवा कविता के लेखक का नाम एवं उनकी रचना का शीर्षक का चार्ट तैयार करना।
- संस्कृत पाठ योजना तैयार करना।
- संस्कृत शिक्षण से संबंधित उपादान तैयार करना।

नोट : सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तक का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

দ্বিতীয় বর্ষ

পঞ্চম পত্র

১) **ভাষা কৌশল ও তার মৌলিক বিকাশ**

ভাষার মৌলিক বিকাশে শ্রবণ,- পরিচয় ও মহত্ব ।

কথন- পরিচয়,কথনের ক্রমিক বিকাশ ।

পঠন- পরিচয়, সরব ও নিরব পাঠ, দ্রুত পাঠ, বোধগম্য পাঠ, পঠনের বিধি, পঠনের দোষ ও নিরাকরন ।

লেখন-পরিচয়- সুলেখ, মূদ্রাণানুগ লেখন, কুশলী লেখন, লেখনের বিভিন্ন দিক, সুলেখের বৈশিষ্ঠ্য. লেখন কুশলতার উপায় ও প্রগতি ।

২) **ব্যাকরণ শিক্ষণ-পদ্ধতি ও কৌশল**

ভাষা শিক্ষণে ব্যাকরণের উপযোগিতা ।

ব্যাকরণ শিক্ষণপদ্ধতি-অবরোহ ও আরোহ পদ্ধতি, প্রশ্নোত্তর পদ্ধতি, পারস্পারিক সহযোগ, পরিভাষা বিধি, পাঠ্যপুস্তক ।

৩) **ভাষা শিক্ষণ-পদ্ধতি , কৌশল ও উপাদান**

ভাষা শিক্ষণ কৌশল-বার্তালাপ, প্রাশ্নোত্তর, আবৃত্তি, চিত্রবর্ণন, প্রতিকৃতি ও অনুকৃত- বর্ণন, বাদানুবাদ ।

ভাষা শিক্ষণ উপাদান-পাঠ্যপুস্তক, ব্ল্যাকবোর্ড, চিত্র, মানচিত্র, রেখাচিত্র, মৌলিক পুঁথি, রেডিও, টেপরের্কডার, কম্পুটার, চল চিত্র, টেলিভিজন, পত্র পত্রিকা, লোক কলা, এবং সহায়ক সামগ্রী ।

৪) **ব্যাকরণ**

সাধু ও চলতি ভাষার সাধারণ ধারণা ।

সন্ধি, সমাস, প্রত্যয়, উপসর্গ ।

সমার্থক শব্দ, বিপরীতার্থক শব্দ, সমোচ্চারিত ভিন্নার্থক শব্দ, একই শব্দের ভিন্নার্থক প্রয়োগ, এক কথায় প্রকাশ, বাগ ধারা ।

অশুদ্ধি জনিত দোষ সম্বন্ধে সাধারণ ধারণা ।

৫) **ভাষা শিক্ষণ পদ্ধতি -সম্যক ধারণা** ।

অনুকরণ, আবৃতি, সস্বর সরবপাঠ ও পুনঃপাঠ ।

চিত্রবর্ণন, ভাষণকলা, আবেগাত্মক অভিব্যক্তি ।

চিন্তন উদ্রেক কারী প্রশ্নোত্তর পদ্ধতি ।

৬) **ক্রিয়াকলাপ**

আবৃতি প্রতিযোগিতা, ভাষণ প্রতিযোগিতা, বাদানুবাদ প্রতিযোগিতার আয়োজন ও সক্রিয় অংশগ্রহণ ।

পাঠ্যপুস্তক সম্বলিত সাহিত্যকার ও কবিদের চিত্র সংকলন ।

শুদ্ধ ও মান্য উচ্চারণ সম্বলিত আবৃত্তিকার ও নাট্যকর্মীর ক্যাসেট সংকলন ।

লেখা প্রতিযেগিতার আয়োজন ও অংশগ্রহণ- সুলেখ, নিবন্ধ, স্বরচিত কবিতা, ভ্রমন কাহিনী ।

অনুকরণাত্মক উচ্চারণ সম্বলিত ক্রিয়াকলাপ ।

অভিনয়- নাট্যাংশের আঙ্গিক ও বচনিক অভিনয়- আয়োজন ও সক্রিয় অংশগ্রহণ ।

প্রতেক প্রশিক্ষু ষষ্ঠ শ্রেণী হইতে অষ্টম শ্রেণী পর্যন্ত পাঠ্যপুস্তকের বিশ্লেষণাত্মক অধ্যয়ন করবে ।

# Mother Tongue (Urdu) Teaching Content & Methodology
## (For Second Year) VII Paper

## دوسرے سال کا نصاب

اردو زبان کی تدریس: تدریسی موضوع معہ طریقہ تدریس

**اکائی ۱۔ زبان میں مہارت کو فروغ**

☆ سامعہ کا تعریف اور انداز سماعت کو فروغ اعر طریقہ کار
☆ مطالعہ کا تعارف اور مطالعہ میں مہارت کو فروغ اور طریقہ
☆ تدریس کا تعارف تدریسی مہارت کا طریقہ، صحیح تلفّظ کے ساتھ پڑھنا۔
☆ طریقہ تحریر کی جانکاری اور تحریری مہارت کے فروغ کو اہمیت

**اکائی ۲۔ درس قواعد۔**

☆ تردیس قواعد کا تعارف اور اہمیت
☆ تدریس قواعد کا طریقہ، نصابی کتاب کا طریقہ، امداد باہمی طریقہ، فارمولا طریقہ۔

**اکائی ۳۔ زبان کی تدریس تکنیک اور مقاصد**

☆ تدریس زبان کی تکنیک۔ بات چیت، سوال جواب، مشق، تصویری وضاحت (عکس اور نقل)
☆ تدریس زبان کے مقاصد۔
نصابی کتاب، تختہ سیاہ، تصویر، نقشہ، اسکیچ، ریڈیو، دوردرشن، ناٹک،
سنیما، ٹیپ ریکاڈر، کمپیوٹر، میگزین، اور معاون کتابوں کی اہمیت۔

**اکائی ۴۔ قواعد**

☆ مطابقت، مرکب الفاظ، محاورے، لاحقہ، سابقہ، ضد، ہم معنی الفاظ اور ہم صوت الفاظ۔

**اکائی ۵۔ تدریس زبان کا طریقہ**

☆ دیکھ کر (نقل) کے ذریعہ، تصویر کے ذریعہ، سُنو اور بولو
☆ فارمولا کے طریقہ سے، اداکاری کا ذریعہ

**کارکردگی:۔**

☆ تقریر اور مضمون نویسی کے مقابلے میں حصہ لینا
☆ موضوع سے متعلق پروگرام میں حصہ لینا
☆ سنو اور بولو کا مشق
☆ نصابی کتاب میں شامل ادبی شخصیات کی تصویروں کو اکٹھا کرنا
☆ بیت بازی اور اداکاری میں حصہ لینا
☆ صحیح تلفظ سے متعلق ایک ایک آڈیو کیسٹ تیار کرنا

نوٹ:۔ سبھی تربیت یافتگان درجہ اول تا ہشتم تک کے نصابی کتابوں کا تجزیاتی مطالعہ کرینگے۔

## द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम पत्र ( ग )

# मुण्डारी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : मुण्डारी भाषा कौशल का विकास :

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल का महत्त्व।

### इकाई 2 : मुण्डारी व्याकरण शिक्षण :

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- व्याकरण शिक्षण की विधि – पाठ्यपुस्तक विधि, सहयोग विधि, सूत्र विधि।
- समास, प्रत्यय, उपसर्ग, मुहावरा, विलोम शब्द एवं श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द।

### इकाई 3 : भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान :

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्त्तालाप, प्रश्नोत्तर, स्वराघात, बलाघात, चित्र वर्णन, प्रतिकृति, अनुकृति।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, नाटक, चलचित्र टेपरेकॉर्डर, पत्र-पत्रिका एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।

### इकाई 4 : भाषा शिक्षण विधि :

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।

### इकाई 5 : अनुवाद :

- परिचय एवं उपयोगिता।
- मातृभाषा मुण्डारी का हिन्दी में अनुवाद एवं हिन्दी का मातृभाषा मुण्डारी में अनुवाद।

### इकाई 6 : मुण्डारी साहित्य एवं उसका विकास :

- मुण्डारी साहित्य का परिचय।
- मुण्डारी साहित्य का विकास।
- कला-संस्कृति के विकास में मुण्डारी साहित्य का योगदान।
- मुण्डारी साहित्य की समस्या एवं समाधान।

**क्रियाकलाप :**

- भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- मेला, पर्व-त्योहार, अखड़ा, संस्कार, खेलकूद, नाच गान आदि में सहभागिता।
- मुण्डारी भाषा से संबंधित साहित्यकारों के नामों का संकलन।
- मुण्डारी भाषा के बुझौवलों का संकलन।
- मुण्डारी के दस लोक गीतों का संकलन एवं गायन का अभ्यास।

**नोट :** सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

## द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम पत्र ( घ )

# संताली भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : संताली भाषा कौशल का विकास :

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ।
- लेखन का परिचय एवं लेखन कौशल विकास की विधियाँ।

### इकाई 2 : संताली भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान

- संताली भाषा शिक्षण तकनीक – वार्त्तालाप, प्रश्नोत्तर, चित्र वर्णन, अभ्यास।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, चलचित्र, कम्प्यूटर, पत्र-पत्रिका, पुस्तक एवं नाटक।

### इकाई 3 : संताली व्याकरण शिक्षण :

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, क्रिया, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे, कहावतें, विपरीतार्थक शब्द, समानार्थक शब्द, सन्धि, समास।
- संताली भाषा विज्ञान – उच्चारण विज्ञान, शब्द विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अनुवाद विज्ञान।

### इकाई 4 : संताली भाषा शिक्षण विधि :

- अनुकरण विधि, चित्र लेखन, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।

### इकाई 5 : संताली भाषा साहित्य एवं विकास :

- लोक साहित्य – गाथा, कथा, कहानी, गीत, लोक संगीत, लोकवाद्ययंत्र।
- शिष्ट साहित्य – कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध।
- संताली साहित्य की समस्या एवं समाधान।
- झारखण्डी-कला संस्कृति विकास में संताली साहित्य का योगदान।

**क्रियाकलाप :**

- भाषण एवं लेखन प्रतियोगिता में भाग लेना।
- सुनो और बोलो का अभ्यास।
- विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना।
- महाविद्यालय में सम्मेलन, विचारगोष्ठी एवं प्रतियोगिता का आयोजन करना।

**नोट** – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

## द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम पत्र ( ङ )

# हो भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : हो भाषा कौशल का विकास :

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल का महत्त्व।

### इकाई 2 : हो व्याकरण शिक्षण :

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- व्याकरण शिक्षण की विधि – पाठ्यपुस्तक विधि, सहयोग विधि, सूत्र विधि।
- समास, मुहावरा, प्रत्यय, उपसर्ग, विलोम शब्द एवं श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द।

### इकाई 3 : हो भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान :

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्त्तालाप, प्रश्नोत्तर, स्वराघात, बलाघात, चित्र वर्णन, प्रतिकृति, अनुकृति।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, नाटक, चलचित्र टेपरेकॉर्डर, पत्र-पत्रिका एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।

### इकाई 4 : हो भाषा शिक्षण विधि :

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।

### इकाई 5 : अनुवाद :

- परिचय एवं उपयोगिता।
- मातृभाषा हो का हिन्दी में अनुवाद एवं हिन्दी का मातृभाषा हो में अनुवाद।

### इकाई 6 : हो साहित्य एवं उसका विकास :

- हो साहित्य का परिचय।
- हो साहित्य का विकास।
- कला-संस्कृति के विकास में हो साहित्य का योगदान।
- हो साहित्य की समस्या एवं समाधान।

**क्रियाकलाप :**

- भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- मेला, पर्व-त्योहार, अखड़ा, संस्कार, खेलकूद, नाच गान आदि में सहभागिता।
- हो भाषा से संबंधित साहित्यकारों के नामों का संकलन।
- हो भाषा के बुझौवलों का संकलन।
- हो के दस लोक गीतों का संकलन एवं गायन का अभ्यास।

नोट – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

## द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम पत्र ( च )

# खड़िया भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : खड़िया भाषा कौशल का विकास :

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल का महत्त्व।

### इकाई 2 : खड़िया व्याकरण शिक्षण :

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- व्याकरण शिक्षण की विधि – पाठ्यपुस्तक विधि, सहयोग विधि, सूत्र विधि।
- समास, प्रत्यय, उपसर्ग, मुहावरा, विलोम शब्द एवं श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द।

### इकाई 3 : खड़िया भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान :

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्त्तालाप, प्रश्नोत्तर, स्वराघात, बलाघात, चित्र वर्णन, प्रतिकृति, अनुकृति।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, नाटक, चलचित्र, ट्रेपरेकॉर्डर, पत्र-पत्रिका एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।

### इकाई 4 : खड़िया भाषा शिक्षण विधि :

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।

### इकाई 5 : अनुवाद :

- परिचय एवं उपयोगिता।
- मातृभाषा खड़िया का हिन्दी में अनुवाद एवं हिन्दी का मातृभाषा खड़िया में अनुवाद।

### इकाई 6 : खड़िया साहित्य एवं उसका विकास :

- खड़िया साहित्य का परिचय।
- खड़िया साहित्य का विकास।
- खड़िया साहित्य की समस्या एवं समाधान।
- कला-संस्कृति के विकास में खड़िया साहित्य का योगदान।

**क्रियाकलाप :**

- भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- मेला, पर्व–त्योहार, अखड़ा, संस्कार, खेलकूद, नाच गान आदि में सहभागिता।
- खड़िया भाषा से संबंधित साहित्यकारों के नामों का संकलन।
- खड़िया भाषा के बुझौवलों का संकलन।
- खड़िया के दस लोक गीतों का संकलन एवं गायन का अभ्यास।

नोट – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

## द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम पत्र ( छ )

# कुडुख भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : कुडुख भाषा कौशल का विकास :

- कुडुख श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- कुडुख वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- कुडुख पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- कुडुख लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल का महत्त्व।

### इकाई 2 : कुडुख व्याकरण शिक्षण :

- कुडुख व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- कुडुख व्याकरण शिक्षण की विधि – पाठ्यपुस्तक विधि, सहयोग प्रणाली, सूत्र विधि।
- लोकोक्ति, मुहावरा, बुझौवल, प्रत्यय, उपसर्ग, विलोम शब्द, समानार्थक शब्द, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द एवं निबंध।

### इकाई 3 : कुडुख भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान :

- कुडुख भाषा शिक्षण तकनीक – वार्त्तालाप, प्रश्नोत्तर, अभ्यास, (स्वराघात, बलाघात), चित्र वर्णन, प्रतिकृति, अनुकृति, अनुवाद विधि।
- कुडुख भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, नाटक, चलचित्र, टेपरेकॉर्डर, कम्प्यूटर, पत्र-पत्रिका एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।

### इकाई 4 : कुँडुख साहित्य शिक्षण विधि :

- कुडुख साहित्य का परिचय एवं विशेषताएँ।
- कुडुख साहित्य का कला संस्कृति के विकास में योगदान।
- कुडुख साहित्य लेखन की समस्या और इसके विकास हेतु सुझाव।

### इकाई 5 : कुडुख भाषा शिक्षण विधि :

- अनुकरण विधि, अनुवाद विधि, चित्र वर्णन विधि, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।

क्रियाकलाप :

- भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- विषयवस्तु पर आधारित कार्यक्रम में भाग लेना।
- सुनो और बोलो का अध्ययन।
- लोकगीत एवं लोकनृत्य में भाग लेना।
- पर्व त्योहार एवं संस्कारों में भाग लेना।
- लोकगीतों से संबंधित ऑडियो कैसेट तैयार करना।

नोट – सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम पत्र ( ज )

# नागपुरी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

## इकाई 1 : भाषा कौशल का विकास :

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल का महत्त्व।

## इकाई 2 : व्याकरण शिक्षण :

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- व्याकरण शिक्षण की विधि – पाठ्यपुस्तक विधि, सहयोग विधि, सूत्र विधि।
- काल, समास, मुहावरा, उपसर्ग, प्रत्यय, विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द, अनेक शब्दों के बदले एक शब्द आदि का परिचय।

## इकाई 3 : भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान :

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्त्तालाप, प्रश्नोत्तर, अभ्यास, (स्वराघात, बलाघात), चित्र वर्णन, प्रतिकृति, अनुकृति, अनुवाद विधि।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, नाटक, चलचित्र, टेपरेकॉर्डर, कम्प्यूटर, पत्र-पत्रिका एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।

## इकाई 4 : भाषा शिक्षण विधि :

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन विधि, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।

## इकाई 5 : नागपुरी साहित्य का परिचय :

- नागपुरी साहित्य के विकास में सरकारी और गैर सरकारी प्रयास
- नागपुरी साहित्य के विकास की समस्याएँ और समाधान।
- झारखण्डी कला-संस्कृति के विकास में नागपुरी साहित्य का योगदान।

क्रियाकलाप :

- भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- विषयवस्तु पर आधारित कार्यक्रम में भाग लेना।
- सुनो और बोलो का अभ्यास।
- पाठ्यपुस्तकों से संबंधित साहित्यकारों के चित्रों का संकलन करना।
- नृत्य-गीत प्रतियोगिता में एवं अभिनय आदि में भाग लेना।
- शुद्ध उच्चारणों से संबंधित एक-एक ऑडियो कैसेट तैयार करना।
- लोक गीतों का संकलन करना। (ऋतु, पर्व-त्योहार, संस्कार, श्रम एवं अन्य)
- लोक कथाओं का संकलन करना (सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, अलौकिक)।
- सांस्कृतिक मेला, खेल-कूद, शैक्षणिक यात्रा, विज्ञान-मेला, शहीद मेला, कृषि मेला आदि में भाग लेना, अवलोकन करना-कराना।

**नोट –** सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

## द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम पत्र ( झ )

# कुड़माली भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : कुड़माली भाषा कौशल का विकास :

- कुड़माली श्रवण (अनान) का परिचय एवं श्रवण (अनान) कौशल विकास की विधियाँ।
- कुड़माली वाचन (बचकान) का परिचय एवं वाचन (बचकान) कौशल विकास की विधियाँ।
- कुड़माली पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- कुड़माली लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल का महत्त्व।

### इकाई 2 : व्याकरण शिक्षण :

- कुड़माली व्याकरण (भाङअर) शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- कुड़माली व्याकरण (भाङअर) शिक्षण की विधि – पाठ्यपुस्तक प्रणाली, सहयोग विधि, सूत्र विधि।

### इकाई 3 : कुड़माली भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान :

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्तालाप, प्रश्नोत्तर, अभ्यास, (स्वराघात, बलाघात), चित्र वर्णन, प्रतिकृति, अनुकृति।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, नाटक (माछानि), चलचित्र, टेपरेकॉर्डर, कम्प्यूटर, पत्र-पत्रिका, नृत्य एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।

### इकाई 4 : भाषा शिक्षण विधि :

- कुड़माली कहावत (आहना), मुहावरा (पटतइ), प्रत्यय (पाइन), विलोम शब्द (उलथा साड़ा), श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द (गड़हन अना निआर माने भिनु) एवं समानार्थक शब्द।

### इकाई 5 : कुड़माली भाषा शिक्षण विधि :

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन विधि, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि

### इकाई 6 : कुड़माली साहित्य :

- कुड़माली साहित्य एवं उनका विकास।
- प्रमुख कुड़माली साहित्य का परिचय।
- कला-संस्कृति के विका., में कुड़माली साहित्य का योगदान।
- कुड़माली भाषा की समस्या एवं समाधान।
- कुड़माली साहित्य के विकास के लिए प्रयास।

क्रियाकलाप :

- कुड़माली भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- कुड़माली विषयवस्तु पर आधारित कार्यक्रम में भाग लेना।
- कुड़माली सुनो और बोलो का अभ्यास।
- कुड़माली पाठ्यपुस्तकों से संबंधित साहित्यकारों के चित्रों का संकलन करना।
- कुड़माली अंत्याक्षरी एवं अभिनय में भाग लेना।
- कुड़माली शुद्ध उच्चारणों से संबंधित एक-एक ऑडियो कैसेट तैयार करना।
- कुड़माली गिनती (लेखन) का अभ्यास करना।

नोट -- सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम पत्र ( ञ )

# खोरठा भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

## इकाई 1 : खोरठा भाषा कौशल का विकास :

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल का महत्त्व।

## इकाई 2 : व्याकरण शिक्षण :

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- व्याकरण शिक्षण की विधि – पाठ्यपुस्तक प्रणाली, सहयोग विधि, सूत्र विधि।
- काल, समास, मुहावरा, प्रत्यय, उपसर्ग, विलोम शब्द, समानार्थक शब्द एवं श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द।

## इकाई 3 : भाषा शिक्षण के तकनीक एवं उपादान :

- भाषा शिक्षण तकनीक – वार्तालाप, प्रश्नोत्तर, अभ्यास, (स्वराघात, बलाघात), चित्र वर्णन, प्रतिकृति एवं अनुकृति।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, नाटक, चलचित्र, टेपरेकॉर्डर, कम्प्यूटर, पत्र-पत्रिका, नृत्य एवं सहायक पुस्तक का महत्त्व।
- मातृभाषा का हिन्दी में अनुवाद, हिन्दी वाक्यों का मातृभाषा खोरठा में अनुवाद। अनुवाद का महत्त्व।

## इकाई 4 : खोरठा साहित्य एवं विकास :

- खोरठा साहित्य का परिचय एवं प्रकृति।
- खोरठा साहित्य की समस्याएँ एवं निदान।
- झारखण्ड की कला-संस्कृति के विकास में खोरठा का योगदान।
- खोरठा साहित्य के विकास के लिए किये जा रहे प्रयास।

## इकाई 5 : भाषा शिक्षण विधि :

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन विधि, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।

क्रियाकलाप :

- भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- विषयवस्तु पर आधारित कार्यक्रम में भाग लेना।
- सुनो और बोलो का अभ्यास।
- पाठ्यपुस्तकों से संबंधित साहित्यकारों के चित्रों का संकलन करना।
- नृत्य, गीत-संगीत एवं अभिनय में भाग लेना।
- शुद्ध उच्चारणों से संबंधित एक-एक ऑडियो कैसेट तैयार करना।
- खोरठा के लोकगीतों का संकलन (ऋतु, पर्व-त्योहार, संस्कार, प्रकृति, श्रम एवं अन्य गीत)
- खोरठा के लोक कथाओं का संकलन (सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, अलौकिक एवं अन्य)

नोट : सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

## द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# सप्तम पत्र ( ट )

# पंचपरगनिया भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : पंचपरगनिया भाषा कौशल का विकास :

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल विकास की विधियाँ।
- लेखन का परिचय एवं लेखन कौशल विकास की विधियाँ।

### इकाई 2 : पंचपरगनिया भाषा शिक्षण के तकनीक एवं उत्पादन :

- पंचपरगनिया भाषा शिक्षण तकनीक – वार्त्तालाप, प्रश्नोत्तर, चित्र वर्णन, अभ्यास।
- भाषा शिक्षण उपादान – पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, चलचित्र, कम्प्यूटर, पत्र–पत्रिका, पुस्तक एवं नाटक।

### इकाई 3 : पंचपरगनिया व्याकरण शिक्षण :

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्त्व।
- संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे, कहावतें, विपरीतार्थक शब्द, समानार्थक शब्द, संधि, समास, कारक।
- पंचपरगनिया भाषा विज्ञान – उच्चारण विज्ञान, शब्द विज्ञान, वाक्य विज्ञान।

### इकाई 4 : पंचपरगनिया भाषा शिक्षण-विधि :

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन विधि, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।

### इकाई 5 : पंचपरगनिया साहित्य एवं विकास :

- लोग साहित्य – गाथा, कथा, कहानी, गीत, लोक संगीत, लोक वाद्ययंत्र।
- शिष्ट साहित्य – कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध।
- पंचपरगनिया साहित्य की समस्या एवं समाधान।
- झारखण्डी कला संस्कृति के विकास में पंचपरगनिया साहित्य का योगदान।

**क्रियाकलाप :**

- भाषण एवं लेखन प्रतियोगिता में भाग लेना।
- सुनो और बोलो का अभ्यास।
- विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना।
- प्राथमिक विद्यालय, मध्य विद्यालय, महाविद्यालय में सम्मेलन, विचार गोष्ठी एवं प्रतियोगिता का आयोजन करना।

**नोट :** सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

## द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# अष्टम पत्र

# गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : गणित शिक्षण की विधियाँ

- ह्यूरिस्टिक विधि।
- खेल विधि।
- समस्या निराकरण विधि।
- स्वयं खोज विधि।

### इकाई 2 : अंकगणित

- साधारणीकरण और कोष्ठक की क्रियाएँ।
- वर्ग एवं वर्गमूल।
- प्रतिशतता, लाभ–हानि, बट्टा।
- साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज।

### इकाई 3 : बीजगणित

- क्रम विनयमय, साहचार्य तथा वितरण के नियम।
- बीजीय व्यंजक का वर्ग एवं धन ज्ञात करना।
- बीजीय व्यंजकों का गुणनखण्ड।
- करनी, घात तथा घातांक।
- समुच्चय, उनके भेद तथा संक्रिया, वेन चित्र तथा समुच्चय सिद्धांत का व्यावहारिक उपयोग।

### इकाई 4 : रेखागणित

- वृत्त, केन्द्र, त्रिज्या, परिधि, चाप, वृत्तखण्ड, अन्तः केन्द्र, परिकेन्द्र, वृत्त खण्ड के कोण का परिचय।

### इकाई 5 : क्षेत्रमिति

- वृत्त की परिधि तथा क्षेत्रफल।
- घन तथा घनाभ के सम्पूर्ण पृष्ठ का क्षेत्रफल तथा आयतन।
- शंकु, गोला तथा बेलन का पृष्ठ क्षेत्रफल तथा आयतन।

### क्रियाकलाप :

- कागज मोड़कर त्रिभुज, वर्ग एवं आयत बनाना।
- कागज मोड़कर $30^\circ$, $45^\circ$, $60^\circ$, $75^\circ$, $90^\circ$, $120^\circ$ एवं $150^\circ$ का कोण बनाना।
- संख्या रेखा का मॉडल निर्माण करना एवं इसका उपयोग करना।
- घन, घनाभ, बेलन और गोले का निर्माण करना तथा इनका आयतन एवं क्षेत्रफल ज्ञात करना।
- किसी एक कक्षा के छात्र/छात्राओं की आयु, ऊँचाई तथा भार संबंधी आँकड़ों का संकलन करना एवं उनका आलेख बनाना।
- पाठ योजना निर्माण करना।

**नोट** : कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# नवम पत्र : पर्यावरण अध्ययन – 1

## सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : भारत की प्राकृतिक बनावट

- भारत की वनस्पति, वन्य जीव एवं खनिज।
- झारखण्ड राज्य के परिपेक्ष्य में स्थिति, प्राकृतिक संरचना, जनसंख्या, कृषि, वनस्पति, खनिज, ऊर्जा, उद्योगधंधे, यातायात के साधन।
- जनसंख्या वितरण, भूभाग एवं उसका विस्तार।
- सिंचाई एवं विद्युत।
- यातायात के साधन, आयात-निर्यात।
- आर्थिक संरचना एवं आर्थिक समस्याएँ।

### इकाई 2 : भारत के प्रमुख स्वतंत्रता आन्दोलन :

- भारत के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, झारखंड के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी।
- स्वतंत्र भारत की प्रमुख घटनाएँ।
- 19वीं शताब्दी में सामाजिक एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण।
- भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन, विकास और उपलब्धियाँ।

### इकाई 3 : अधिकार कर्त्तव्य एवं राष्ट्रीय प्रतीक :

- नागरिक के अधिकार एवं कर्त्तव्य।
- राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय चिह्न।

### इकाई 4 : राष्ट्रीय समस्याएँ :

- सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक, औद्योगिक एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ।

### क्रियाकलाप

- प्राकृतिक महत्त्व के दो स्थलों का भ्रमण कर उनका रिपोर्ट तैयार करना।
- स्थानीय स्वतंत्रता सेनानी की जानकारी प्राप्त कर अभिलेख तैयार करना।
- स्थानीय वनस्पति, कृषि, उपज एवं खनिज की जानकारी प्राप्त कर अभिलेख तैयार करना।
- स्थानीय जिला परिषद्/न्यायपालिका की जानकारी प्राप्त कर अभिलेख तैयार करना।
- पाठ योजना एवं शिक्षण उपादान तैयार करना।

नोट : कक्षा 01 से 08 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

## द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# दशम पत्र : पर्यावरण अध्ययन – 2

# सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि

### इकाई 1 : विज्ञान शिक्षण विधि :

- अन्वेषण विधि।
- परियोजना विधि।
- इकाई विधि।
- खोज विधि।
- शिक्षण उपादान जैसे – दृश्य-श्रव्य उपकरण, प्रोजेक्टर, सी. डी. (C.D.) का परिचय।
- परिवेशीय सामग्री के उपयोग की जानकारी।
- पाठ योजना तैयारी।

### इकाई 2 : भौतिकी

- चुम्बक – प्रकार, उत्पादन एवं गुण।
- विद्युत – परिचय, स्थिर एवं धारावाहिक विद्युत, सेल।
- ध्वनि – परिचय, उत्पति एवं गमन, प्रतिध्वनि।
- ऊर्जा के स्रोत एवं विकास।

### इकाई 3 : रसायन विज्ञान

- हवा एवं उसके अवयव का परिचय।
- भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन, रासायनिक अभिक्रिया।
- कार्बन की अपरूपता, कार्बन के अपरूप के गुण एवं उपयोग।
- धातु एवं अधातु, मिश्रधातु।

### इकाई 4 : जीव विज्ञान

- पोषण, प्रकाश संश्लेषण, श्वसन एवं जनन।
- वनस्पति में वृद्धि एवं परिवर्धन, गति।
- हमारा पर्यावरण – जैव एवं अजैव पर्यावरण, पर्यावरण में अन्योन्यक्रिया, परितंत्र एवं उसका असंतुलन।
- संतुलित आहार, कुपोषण एवं कुपोषण जनित रोग।

क्रियाकलाप :

- स्थायी एवं अस्थायी स्लाइड तैयार करना।
- स्थानीय ऊर्जा स्रोतों की जानकारी प्राप्त कर उनका अभिलेख तैयार करना।
- स्थानीय वायु–प्रदूषण स्तर का पता लगाना।
- स्थानीय चार प्रकार की मिट्टी की अम्लीयता अथवा क्षारीयता की जाँच करना।
- स्थानीय जल–प्रदूषण का पता लगाना।
- विज्ञान शिक्षण हेतु पाठ योजना एवं शिक्षण उपादान तैयार करना।

नोट : कक्षा 01 से 08 तक के पाठ्यक्रमों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

## द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

## द्वादश पत्र

# कम्प्यूटर (Computer)

1. Computer में डाटा दर्ज करने का ज्ञान।
2. Computer Typing एवं Printing की जानकारी।
3. Ms-Word का परिचय एवं इसके Commands की जानकारी।
4. Ms-Excel का परिचय एवं इसके Commands की जानकारी।
5. Power Point का परिचय एवं इसके Commands की जानकारी।

### सत्रगत् कार्य :

1. Speed एवं Accurate Computer Typing की दक्षता दर्शाना।
2. Ms-Word का दो Output प्रदर्शित करना।
3. Ms-Excel का दो Output प्रदर्शित करना।
4. Power Point में एक Output प्रदर्शित करना।

## द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

# त्रयोदश पत्र

# कार्यानुभव एवं शारीरिक शिक्षा

## कार्यानुभव

*निम्नलिखित पाँच कार्यानुभवों में से किन्हीं दो कार्यानुभवों को करना अनिवार्य है :*

### 1. बागवानी (Gardening)

(i) विभिन्न मौसम में लगाये जाने वाले फूलों की जानकारी प्राप्त कर उन्हें लगाना।

(ii) फूलों का बिचड़ा तैयार करना, उनका संवर्धन तथा संरक्षण करना।

(iii) पुष्प वाटिका में विभिन्न प्रकार के पौधों को लगाना, उनकी देख-रेख करना तथा सुरक्षित रखना।

(iv) क्यारी में फूल लगाना तथा प्रति प्रशिक्षणार्थी कम-से-कम एक गमला में फूल के पौधे/क्रोटन लगाना।

-----

### 2. कृषि (Agriculture)

(i) जमीन की तैयारी करना, जुताई करना, बिचड़ा तैयार करने के लिए क्यारी बनाना, बीज डालना तथा सिंचाई करना।

(ii) बिचड़ा उखाड़ना, पौध स्थानान्तरण एवं रोपाई करना।

(iii) खाद एवं उर्वरक के प्रयोग की जानकारी एवं उनका प्रयोग करना, कीटनाशक दवाई का प्रयोग करना।

(iv) फसलों की देखरेख फसल की कटाई, तैयारी एवं भण्डारण करना, लागत एवं उत्पादन का अभिलेख तैयार करना।

-----

### 3. गृह विज्ञान (Home Science)

(i) सामूहिक रसोई, पके भोजन का संरक्षण, भोजन परोसने, पीने के पानी की व्यवस्था, फल काटने एवं बर्तन सफाई में भाग लेना।

(ii) अचार, चटनी, पापड़, बड़ी, जाम, जेली, सॉस, स्क्वॉश (शरबत) चीप्स इनमें से किन्हीं तीन को तैयार करना।

(iii) चटाई, टोकरी, आसनी एवं पंखा में से किन्हीं दो को तैयार करना। अथवा ऊन से एक बाबा सूट तैयार करना।

-----

## 4. कोलाज कार्य

(i) मिट्टी, कार्डबोर्ड एवं स्थानीय वस्तुओं से कई प्रकार के सामान तैयार करना।

(ii) प्लास्टिक के टुकड़े, रूई, नारियल रेशे, सिक्की एवं थर्मोकोल से सजावटी सामान अथवा अन्य उपयोगी सामान तैयार करना।

(iii) कल्पना शक्ति के आधार पर नई वस्तुओं का निर्माण करना।

(iv) विभिन्न माप का लिफाफा तैयार करना तथा कवर फाइल तैयार करना।

-----

## 5. कटाई एवं सिलाई (Cutting & Tailoring)

(i) काज बनाना, बटन लगाना, हुक लगाना एवं रफू करना एवं इन सभी का अभ्यास करना।

(ii) ब्लाउज-पेटीकोट, सलवार-कुर्त्ता, हाफशर्ट-हाफपैंट का कागजी नमूना काटना।

(iii) उपर्युक्त नमूनों में से कपड़े का एक सेट तैयार करना।

(iv) शॉल में बेल बूटा एवं कशीदाकारी करना।

-----

## 6. शारीरिक शिक्षा

(i) ड्रिल एवं शारीरिक व्यायाम का अभ्यास करना।

(ii) प्रातः कालीन व्यायाम में भाग लेना।

(iii) संध्या समय खेल में भाग लेना।

(iv) गोला फेंकना, चक्का फेंकना, भाला फेंकना एवं तीरंदाजी में से किन्हीं दो में भाग लेना।

(v) हॉकी, वॉलीबॉल, बैडमिन्टन, थ्रो बॉल, खो-खो में से कम-से-कम एक में भाग लेना।

(vi) पद्मासन, हलासन, प्राणायाम (अनुलोम-विलोम) कपालभात्ती एवं भस्तिका में से किसी दो का अभ्यास करना।

(vii) स्काउट-गाइड क्रियाशीलन में भाग लेना।

-----